डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 246 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | गुरुवार 20 जून 2024 | मूल्य 2 रुपया

विद्यार्थियों को बैठाने के लिए स्कूलों में जुगाड़

सिर्फ प्रपोजल-प्रपोजल का चल रहा खेल, जिले में करीब 25 स्कूलों के पास अपने भवन ही नहीं!

मंदसौर, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। एक बार फिर प्रवेशोत्सव धूमधाम से मनाकर बच्चों का वेलकम किया गया। जनप्रतिनिधि भी स्कूलों में नजर आए। अब शैक्षणिक व्यवस्था की बात करें तो जिले में लगभग 166 हाई व हायर सेकंडरी स्कूलों में से 25 के अपने भवन नहीं हैं। इनमें 3500 विद्यार्थी पढ़ते हैं। इनकी कक्षाएं मिडिल, सामुदायिक भवन, पंचायत या अन्य वैकल्पिक स्थानों पर चल रही हैं। कुछ स्कूल ऐसे भी हैं, जिनके भवन तो हैं। लेकिन पर्याप्त कक्ष नहीं होने से छात्रों को बरामदे, जमीन या मैदान में बैठकर पढ़ाई करना पड़ रही हैं। कुछ स्कूल खस्ताहाल हैं। खास बात यह है कि स्कूल का उन्नयन कराने में राजनीतिक हस्तक्षेप अधिक हावी है। इसके कारण शासन गांव-गांव में स्कूल स्वीकृत या उन्नयन तो कर देता है। लेकिन, इनमें पर्याप्त इंतजाम नहीं होते। इसके चलते छात्रों को गुणवत्तापूर्ण

शैक्षणिक गतिविधियों से वंचित रहना पड़ता है। निराकरण के लिए शिक्षा विभाग द्वारा प्रपोजल भेजने की कार्ययोजना ने भी अब रिवाज का रूप ले लिया। विभाग हर साल इन स्कूलों के संबंध में प्रपोजल बनाकर भेजता है, लेकिन निराकरण नहीं होता।

522 छात्रों के लिए तीन कमरे...

सीतामऊ तहसील के हायर सेकंडरी स्कूल तितरोद में 522 छात्रों के बैठने के लिए महज 3 कमरे हैं। विद्यार्थी मैदान परिसर व कमरों के बाहर बैठकर पढ़ने को मजबूर हैं। स्कूल में लैब, स्पोर्ट्स रूम व प्रयोगशाला तक नहीं है। जब परीक्ष होती है तो पंचायत के कमरे, पास में बने रिसोर्ट के कमरे और प्रावि, मावि के कमरे उपयोग में लाया जाते हैं। 17 स्वीकृत पदों पर महज 7 शिक्षक ही पदस्थ हैं। 2007 से तितरोद में हाईस्कूल शुरू हुआ, 2017 में हायर सेकंडरी प्रारंभ हुआ। लेकिन, अब तक स्कूल की स्थिति जस की तस है। पीने के पानी की भी व्यवस्था नहीं है। मजबूरन निजी टैंकर बुला रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि यह स्कूल स्व भवनविहीन स्कूल में शामिल नहीं है। आसपास के बैलारा, महुआ सहित अन्य स्कूलों में नामांकन कम है। वहां के बच्चे भी तितरोद में पढ़ रहे हैं। मिडिल स्कूल में कक्षाएं संचालित करना भी मजबूरी बन रहा है।

एक शाला-एक परिसर में ये स्कूल लग रहे...

हाईस्कूल गरोठ, बधुनिया, खजूरीपंथ, लसुड़िया राठौर, जवासिया, धंधोड़ा, खजूरिया सारंग, आक्या उमाहेड़ा, साखतली, दलावदा तथा हायर सेकंडरी साठखेड़ा, कनघट्टी, बेहपुर, बालागंज, दीपाखेड़ा व सुवासरा ग्राम।

अन्य भवनों में ये स्कूल चल रहे...

हाईस्कूल आगर, जेतपुरा, टिडवास, ढाबला, दाउदखेड़ी, उदपुरा, आकोदड़ा स्कूल उन्नयन तो कर दिए लेकिन स्वयं के भवन नहीं। इसके अलावा सांजलपुर में मिडिल स्कूल, एरिया में प्रावि के पुराने भवन में, खेजड़िया में प्रावि व मावि में तथा तरनोद में प्रावि में कक्षाएं संचालित हो रही हैं।

जहां ज्यादा जरूरत उन स्कूलों के नाम प्रपोजल में ही नहीं...

जिले में राजनीतिक हस्तक्षेप के चलते शासन द्वारा स्कूल का उन्नयन तो हो जाता है। लेकिन, इनमें छात्रों का नामांकन औसत दर्जे का भी नहीं होता। हाईस्कूल उन्नयन होने पर शासन द्वारा प्रिंसिपल को औसतन प्रतिमाह 80 हजार, एक स्कूल में 6 शिक्षकों को 40 से 50 हजार, भृत्य सहित अन्य के लिए 20 हजार तथा अनुदान के रूप में 50 हजार खर्च होते हैं। यह सालभर में 60 लाख के करीब है। भवन निर्माण के लिए खर्च 1 करोड़ रूपए के करीब अलग है। इन स्कूलों में पर्याप्त नामांकन नहीं होने पर शासन का पैसा व्यर्थ खर्च हो रहा। जिले में तितरोद सहित चार स्कूलों में नामांकन अधिक दर्ज हैं, वहां कमरों की आवश्यकता है। लेकिन, इनके नाम पिछले साल प्रपोजल में थे ही नहीं।

सिद्ध श्री विहार में दो घरों के ताले टूटे, एसआई की स्कूटी भी ले गए

मंदसौर, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। वायडी नगर थाना क्षेत्र के कलेक्टरेट रोड स्थित सिद्ध श्री विहार में मंगलवार रात बदमाशों ने कॉलोनी के दो मकानों को निशाना बनाया। बदमाशों ने घर का फर्नीचर भी तोड़ दिया। सुबह पड़ोसियों ने दरवाजा टूटा देख पुलिस को सूचना दी। पुलिस की सूचना के बाद मकान मालिक घर पहुंचे। इनमें से एक मकान नीमच जिले के नयागांव में पदस्थ एसआई का है, यहां से बदमाश स्कूटी समेत अन्य सामान चोरी कर ले गए। बदमाश कॉलोनी में लगे सीसीटीवी में कैद हुए हैं।

नगर पुलिस अधीक्षक श्री सतनाम सिंह ने बताया कि सिद्ध श्री विहार में दो घरों में चोरी की वारदात सामने आई है। इसमें एक घर नीमच के नयागांव थाना प्रभारी रामलाल सिंह राणा का है। बदमाश उनकी एक स्कूटी चुरा ले गए। वहीं, पड़ोस के एक मकान में भी बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया है। यहां चोरी की वारदात करने के बाद बदमाश बंटी चौराहा पहुंचे, जहां से घर के बाहर खड़ी एक बाइक को बदमाशों ने चुराया है। शहर में लगे सीसीटीवी कैमरा के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। इधर यशोधर्मन नगर थाना टीआई संदीप मंगोलिया ने दावा किया की बदमाश कुछ नहीं ले जा पाए हैं। केवल ताले टूटे हैं।हम जल्द स्कूटी बरामद कर बदमाशों को पकड़ लेंगे।

पुलिस कप्तान ने फैटे पत्ते, थाना और चौकियों में फेरबदल

मंदसौर, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। पुलिस कप्तान ने पत्ते फेटते हुए अपनी टीम में फेरबदल किया हैं। इसमें कई उप निरीक्षकों को इधर से उधर किया हैं।

इसमें अफजलपुर थाना प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र शिवहरे को लाईन अटैच किया हैं, जब तक नई नियुक्ति नहीं हो, एसआई समरथ सिनम थाना प्रभारी रहेंगे। इधर कोतवाली में पदस्थ एसआई रितेश नागर अब पिपलिया मंडी चौकी प्रभारी होंगे। एसआई कपिल सौराष्ट्रीय को पिपलिया मंडी चौकी प्रभारी से मुल्तानपुरा चौकी प्रभारी बनाया गया हैं। मुल्तानपुरा चौकी प्रभारी एसआई अभिषेक बोरासी को शहर कोतवाली भेजा गया है।

तेलिया तालाब की सफाई – बारिश पूर्व तेलिया तालाब झरने के आसपास की नगरपालिका द्वारा जेसीबी से सफाई की जा रही है।

सिंहस्थ को लेकर तेजी से चल रहा रेलवे स्टेशनों का काम

उज्जैन/ मंदसौर, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। रेलवे ने वर्ष 2028 में उज्जैन में होने वाले महाकाल मंदिर क्षेत्र के सिंहस्थ की तैयारी को शुरू कर दिया है। इसके लिए पश्चिम रेलवे के रतलाम रतलाम रेल मंडल में नागदा से लेकर बैरागढ़, रतलाम से चंदेरिया, रतलाम से गोधरा तक सेक्शन में अलग-अलग कार्य तेजी से चल रहे है। एक तरफ जहां गत 26 फरवरी को रतलाम रेल मंडल के 11 स्टेशनों व 4 आरओबी का कायाकल्प किया है, दूसरी तरफ रेल मंडल के 75 से अधिक स्टेशन पर सिंहस्थ की तैयारी में काम चल रहे है। इनमें मंदसौर भी शामिल है।

प्लेटफॉर्म विस्तार में रतलाम, नागदा, उज्जैन, मेघनगर, जावरा, मंदसौर व नीमच में गति से काम चल रहा है। रेलवे का मानना है कि देश के अलग-अलग क्षेत्र से आने वाले यात्री करीब के स्टेशन पर आएंगे व उज्जैन जाएंगे। राजस्थान व गुजरात के यात्रियों के लिए रतलाम ही करीब रहेगा, इसलिए सबसे अधिक काम रतलाम रेलवे स्टेशन पर हो रहे है। यहां स्टेशन का चौड़ीकरण, नई लिफ्ट लगना, शेड बनना, एफओबी बनना आदि कार्य होना है। उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ 2028 को देखते हुए रेलवे ने स्टेशनों को आधुनिक बनाना, यात्री सुविधाओं का विस्तार, यात्रियों का मैनेजमेंट और बेहतर साइन सिस्टम बना रहा है।

इसके अलावा सर्वोच्च प्राथमिकता यात्री ट्रेन को समय पर चलाने की दी है। रेलवे का मानना है कि सिंहस्थ के दौरान करोड़ों की संख्या में भक्त आएंगे। ऐसे में सिर्फ उज्जैन ही नहीं बल्कि करीब के इंदौर, देवास, रतलाम, मंदसौर, दाहोद, मक्सी, शाजापुर जैसे स्टेशन पर भी काम करना जरूरी है।

इसलिए इन स्टेशन पर सिंहस्थ की तैयारी के अंतर्गत प्लेटफॉर्म चौड़े करना, नई रेल पटरी डालना, आधुनिक सिग्नल लगाना जैसे काम चल रहे है।

रेलवे के रतलाम रेल मंडल के इंजीनियरिंग से लेकर कार्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार रतलाम रेल मंडल ही नहीं, बल्कि सिंहस्थ को लेकर राजस्थान, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्य के महाकाल भक्त को उज्जैन तक सुरक्षित पहुंचाने के लिए रेलवे ट्रैक को मजबूत करने, नया करने, गति बढ़ाने सहित अन्य कार्य जारी है। इसकी निगरानी सीधे रेलवे मंत्रालय दिल्ली से ही कर रहा है। इतना ही नहीं, रेल मंत्रालय से कई बार अधिकारी आकर सीधे निर्माण कार्य की जांच तक कर रहे है।

इनका कहना...

उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ 2028 को लेकर रेलवे प्रशासन बेहद गंभीर है। रेल मंडल में कई प्रोजेक्ट चल रहे है, जिनका लाभ सिंहस्थ के दौरान यात्रियों को मिलेगा। जिन रेल परियोजनाओं के लिए बजट जारी किया है, उसके टेंडर नियम अनुसार करने की प्रक्रिया प्रचलित है। सिंहस्थ के दौरान यात्रियों को सुरक्षित पहुंचाने के लिए ट्रेन के फेरे बढ़ेंगे।

खेमराज मीणा, मंडल रेल प्रबंधक, रतलाम रेल मंडल

महिला फांसी पर झूली

भानपुरा, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। भैसोदा चौकी क्षेत्र के देवरा चौक निवासी 25 वर्षीय महिला पूजा पति जितेंद्र धोबी ने घर में अंदर से कमरा बंद कर फांसी लगा ली। परिजनों को पता चला तो महिला को उतार कर अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौके पर पुलिस ने पहुंच कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भानपुरा भेजा। बताया जा रहा है कि मृतका व उसके पति में आए दिन विवाद होता था। इसके चलते परेशान होकर आत्महत्या की है। महिला का मायका रावत भाटा में है। मामले में भैंसोदामंडी चौकी प्रभारी गौरव लाड ने बताया कि अभी तक आत्महत्या का कारण पति-पत्नी के बीच आपसी विवाद होना बताया जा रहा है। पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। मामले में जांच की जा रही है।

शराब तस्करी पर ठेकेदार के गुर्गों में विवाद

खेतों में फेंकी शराब पेटियां, दो लोगों पर मामला दर्ज

मंदसौर, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। अफजलपुर थाना पुलिस ने एक ट्रैक्टर ट्राली से अवैध रूप से ले जाई जा रही 20 पेटी शराब बरामद की है। मामले का एक वीडियो भी सामने आया है। जिसमें कुछ लोग ट्रैक्टर ट्रॉली से खपाई जा रही शराब की पेटियों को उठाकर खेत में फेंकते हुए दिखाई दे रहे हैं। बताया जा रहा है कि एक शराब ठेकेदार के गुर्गों ने दूसरे शराब ठेकेदार के गुर्गों द्वारा अवैध रूप से शराब ले जाने की आशंका पर ट्रैक्टर ट्राली को पकड़ा और दबंगई दिखाते हुए शराब की पेटियों को खेत में फेंक दिया। इसके बाद सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो पर पुलिस ने संज्ञान लेते हुए अवैध शराब तस्करी के मामले का प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक अवैध शराब तस्करी की सूचना पर 20 पेटी शराब पकड़ी है। हालांकि वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि शराब तस्करी पर शराब ठेकेदार के गुर्गों उत्पात मचाया था। मामला अफजलपुर और गुर्जरबर्डिया से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। शराब तस्करी के मामले में पुलिस ने अफजलपुर निवासी अर्जुन डांगी और बलवंत डांगी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के अंतर्गत शराब तस्करी का प्रकरण दर्ज किया गया। दोनों आरोपी फरार बताए जा रहे हैं।

प्रदेश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से गतिशील-देवड़ा

अधोसंरचना विकास की गति बनाए रखने के लिए बन रहीं रणनीतियां

भोपाल/मंदसौर, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा है कि राज्य की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से गतिशील हो गई है। पूंजीगत व्यय लगातार बढ़ रहा है। अधोसंरचनात्मक विकास की गति को निरंतर बनाए रखने के लिए रणनीतियां बनाई जा रही हैं। श्री देवडा प्रशासन अकादमी में प्रदेश के बजट निर्माण के लिए विषय-विशेषज्ञों के साथ संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मध्यप्रदेश के बजट को नागरिकों की अपेक्षा के अनुसार बनाने और उनकी विकास योजनाओं को पूरी करने के उद्देश्य से समाज के सभी वर्गों से बजट निर्माण के लिए सुझाव आमंत्रित किए गए हैं। श्री देवडा की पहल पर बजट पूर्व संवाद की परंपरा शुरू हुई थी। इस अवसर पर प्रमुख सचिव वित्त श्री मनीष सिंह, सचिव वित्त श्री अजीत कुमार, संचालक बजट श्री बक्की कार्तिकेएन, उप सचिव श्री राजीव रंजन मीना, उप सचिव श्री फ्रैंक नोबेल एवं वित्त विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

श्री देवड़ा ने संवाद सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश की अर्थव्यवस्था को 5 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रधानमंत्री के संकल्प को पूर्ण करने में मध्यप्रदेश का उल्लेखनीय योगदान होगा। श्री देवडा ने ऊर्जा क्षेत्र को और ज्यादा मजबूत बनाने इसके लिए विशेषज्ञों से सुझाव मांगे हैं। उन्होंने कहा कि डायनामिक वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण को फिर से वित्त मंत्रालय का दायित्व मिलना प्रदेश के लिए यह शुभ संकेत है। समय-समय पर उनसे मिले मार्गदर्शन से मध्य प्रदेश का वित्तीय प्रबंधन बेहतर साबित हुआ है। संवाद सत्र में भाग ले रहे विशेषज्ञों और विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों ने मध्यप्रदेश के बजट निर्माण के लिए उपयोगी सुझाव दिए।

डिजिटल साक्षरता जरूरी–श्री हेमंत सोनी महाप्रबंधक रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने जलवायु जोखिम, पर्याप्त भंडारण स्थान, किसानों और छात्रों के लिये वित्तीय और डिजिटल साक्षरता पर जोर देने की आवश्यकता बताई। क्लस्टर स्तर पर न्यूनतम बुनियादी ढाचा बनाने की आवश्यकता है। इसके लिये बजट में प्रावधान ज्यादा होना चाहिए। श्री नंदू जे. नाइक उप महा प्रबंधक नाबार्ड ने सिंचाई के क्षेत्र में फोकस करने की आवश्यकता बताई। हार्टीकल्चर एवं माइक्रो सिंचाई, इंपोर्ट मार्केट बढ़ाने की आवश्यकता है। लॉजिस्टिक एवं कॉर्पोरेट सेक्टर में कार्य किया जाना चाहिए। साथ ही किसानों के छोटे-छोटे ग्रुप बनाये जाना चाहिए।

पूंजीगत व्यय बढ़ाना होगा–प्रो. सी.प्रताप रंजन जैना नेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एण्ड पॉलिसी नई दिल्ली ने विभिन्न ... शेष पेज 4 पर

दो सौ ग्राम एमडी, 400 ग्राम अफीम के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

मंदसौर, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। मादक पदार्थ तस्करो पर यशोधर्मन नगर पुलिस ने बडी कार्रवाई करते हुए 200 ग्राम एमडी ड्रग्स एवं 400 ग्राम अफीम के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। टीआई संदीप सिंह मंगोलिया ने बताया कि पुलिस को मुखबीर सुचना प्राप्त हुई कि मन्दसौर बायपास पर दो व्यक्ति 200 ग्राम एमडी ड्रग्स व 400 ग्राम अफीम के साथ बिना नम्बर पल्सर मोटर सायकल लिये खडा है। जो किसी अन्य तस्कर को देने जा रहा हैं। सूचना पर पुलिस ने तत्काल कार्यवाही करते हुए आरोपी छोटु उर्फ अमन अली तथा नौशाद अजमेरी दोनो निवासी मंदसौर को गिरफ्तार कर थाना वायडी नगर पर अपराध धारा 8/18, 22 एनडीपीएस एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया हैं।

तीन दिन के रिमांड पर आरोपी–पुलिस ने मामले में आरोपी छोटु उर्फ अमन अली तथा नौशाद अजमेरी दोनो निवासी मंदसौर को न्यायालय में पेश किया। जहां से दोनों को तीन दिन अर्थात 22 जून तक रिमांड पर सौंपा हैं। अब पुलिस इनसे विस्तृत पूछताछ कर रहिये है की आरोपी यह नशा कहां से लाये थे और किसे देने जा रहे थे।

नहीं हो पा रहे बुजुर्गों के आधारकार्ड अपडेट, बंद हुई पेंशन..!

मंदसौर, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर सहित प्रदेश में बुजुर्गों कों हर महीने मिलने वाली इंदिरा गांधी ओल्ड एज पेंशन योजना का लाभ अब से नहीं मिल सकेगा। इसकी वजह ये है कि मध्य प्रदेश सरकार ने हर महीने मिलने वाली 600 रुपए पेंशन योजना को बंद कर दिया है। सरकार के इस फैसले से वृद्धावस्था में पेंशन के सहारे जीवन यापन करने वाले बुजुर्गों कीं आजीविका संकट में आ गई है। बताया जा रहा है, बुजुर्गों को उनका आधार कार्ड अपडेट न होने पर अपात्र घोषित किया गया है।

दरअसल मध्य प्रदेश सरकार हर महीने बुजुर्गों कों 600 रुपये की पेंशन देती है। इंदिरा गांधी ओल्ड एज पेंशन स्कीम के तहत उन्हें यह राशि दी जा रही थी। लेकिन, उनकी प्रोफाइल अपडेट नहीं हुई तो वो अपात्र घोषित हो गए। हालांकि, अब अगर वो पेंशन का लाभ लेना चाहते हैं तो उन्हें दोबारा आवेदन करना होगा। पात्र माने जाने पर उनकी पेंशन फिर से उनके खाते में डाली जाने लगेगी।

17 जुलाई के बाद चार महीने तक नहीं होंगे शुभ कार्य

मंदसौर, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। आषाढ माह के शुक्ल पक्ष की देवशयनी एकादशी से चातुर्मास आरंभ होता है। चातुर्मास शब्द 4 महीनों का संगम माना जाता है। यह भगवान विष्णु को समर्पित है। मान्यताओं के अनुसार, चातुर्मास के दौरान सृष्टि के संचालक भगवान विष्णु पाताल लोक में योग निद्रा में चले जाते हैं। इस दौरान सृष्टिका कार्यभार भगवान शिव को सौंप दिया जाता हैं।

विष्णु जी की अनुपस्थिति में सभी शुभ कार्य जैसे विवाह, मुंडन आदि प्रकार के मांगलिक कार्य रुक जाते हैं। देवउठनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु के निद्रा से जागने पर चातुर्मास समाप्त हो जाता है। इसके बाद से ही सभी शुभ कार्य फिर से शुरू हो जाते हैं। आइए, जानते हैं कि इस साल चातुर्मास कब से शुरू होकर, कब खत्म होगा और इस दौरान किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

चातुर्मास 2024...

हिंदू कैलेंडर के मुताबिक इस साल चातुर्मास, देवशयनी एकादशी के दिन से यानी 17 जुलाई 2024 को शुरू होगा। चार महीने बाद 12 नवंबर 2024 को देवउठनी एकादशी के दिन इसका समापन होगा। ऐसे में भगवान विष्णु 4 महीने तक योग निद्रा में रहेंगे। कहा जाता है कि भगवान शिव 4 महीनों के लिए ब्रह्मांड के संचालन की जिम्मेदारी लेते हैं। यही कारण है कि इस दौरान भगवान विष्णु के साथ-साथ भगवान शिव और माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है।

नहीं किए जाने चाहिए शुभ कार्य...

दरअसल, चातुर्मास में सूर्य दक्षिणायन में रहता है। साथ ही भगवान विष्णु निद्रा अवस्था में रहते हैं। ऐसे में इस दौरान किए गए शुभ कार्यों से भगवान विष्णु का आशीर्वाद प्राप्त नहीं होता है। इसलिए इस दौरान शुभ कार्य यानी विवाह और 16 अन्य संस्कार करना वर्जित होता है। इस साल 2024 में 17 जुलाई से 12 नवंबर के बीच कोई भी शुभ कार्यक्रम नहीं करना चाहिए।

विचार-मंथन

महिलाओं को अधिक प्रतिनिधित्व देना चाहिए

भारत ने चुनाव आयोग के अनुसार इस वर्ष लोकसभा चुनावों में 31.2 करोड़ महिलाओं सहित 64.2 करोड़ मतदाताओं के साथ विश्व रिकॉर्ड बनाया। यह इस तथ्य के बावजूद है कि हाल ही में सम्पन्न चुनावों में कुल मतदान में लगभग 2 प्रतिशत की कमी आई है। यह पहली बार मतदान करने वाले मतदाता हैं जिन्होंने कुल कम मतदान की भरपाई की है। हालांकि यह चिंता का विषय है कि भले ही बड़ी संख्या में महिला मतदाता मतदान के लिए निकली हों, लेकिन नवगठित लोकसभा में महिलाओं की संख्या 78 से घटकर 74 हो गई है। 18वीं लोकसभा में कुल निर्वाचित सदस्यों में से केवल 13.6 प्रतिशत महिलाएं हैं। यह प्रस्तावित 33 प्रतिशत कोटा से काफी कम है, जिसे परिसीमन प्रक्रिया के बाद महिला आरक्षण अधिनियम, 2023 के तहत महिलाओं के लिए नामित किया जाएगा। लगभग 49 प्रतिशत आबादी होने के बावजूद, हाल के चुनावों में केवल 10 प्रतिशत उम्मीदवार महिलाएं थीं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह 1957 में चुनाव लड़ने वाली महिलाओं से केवल 3 प्रतिशत आगे है, लेकिन यह निश्चित रूप से संतोषजनक नहीं है। इस बार भाजपा की लगभग 16 प्रतिशत उम्मीदवार महिलाएं थीं जबकि कांग्रेस की 13 प्रतिशत उम्मीदवार महिलाएं थीं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (ए.डी.आर.) द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार कुल मिलाकर सभी उम्मीदवारों में से केवल 9.6 प्रतिशत महिलाएं थीं। यह 2019 से बमुश्किल ही अधिक है जब उम्मीदवारों में महिलाओं की हिस्सेदारी 9 प्रतिशत थी। इसमें कोई संदेह नहीं है कि दुनिया भर में संसदों में पुरुषों का दबदबा है लेकिन भारत इस पैरामीटर में बहुत पीछे है। अंतर-संसदीय संघ (आई.पी.यू.) के डाटा से पता चलता है कि दुनिया भर के 52 देशों में 2023 में संसदीय चुनाव हुए और औसतन 27.6 प्रतिशत महिलाएं चुनी गईं। आई.पी.यू. के आंकड़ों के अनुसार 18वीं लोकसभा के चुनाव से पहले, भारत इस सूची में 185 देशों में 143वें स्थान पर था। हाल ही में सम्पन्न चुनावों में महिलाओं के प्रतिनिधित्व में गिरावट के साथ रैंकिंग में कुछ पायदान और गिरने की संभावना है। पार्टीवार देखें तो भाजपा में सबसे ज्यादा 31 महिला सांसद हैं, उसके बाद कांग्रेस में 13 हैं। अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस में 11 महिला सांसद, सपा और द्रमुक में 5-5 हैं। इसके अलावा छोटी पार्टियों की भी कुछ महिलाएं सांसद हैं। हालांकि यह एक उत्साहजनक संकेत है कि अधिक से अधिक महिला मतदाता मतदान करने के लिए बाहर आ रही हैं। उल्लेखनीय है कि चुनाव के अंतिम 3 चरणों में महिला मतदाताओं की संख्या पुरुष मतदाताओं से अधिक थी। इसका अंतिम परिणाम पर असर पड़ सकता है। सैंटर फॉर द स्टडी ऑफ डिवैल्पिंग सोसायटीज (सी.एस.डी.एस.) द्वारा एकत्रित आंकड़ों के अनुसार, महिला मतदाताओं की 36 प्रतिशत की तुलना में पुरुष मतदाताओं के एक बड़े हिस्से ने भाजपा को चुना। यह संख्या 2019 में पार्टी को मिले समर्थन के समान है। यह कांग्रेस के लिए संख्याओं के विपरीत है। इस साल 22 प्रतिशत महिलाओं ने कांग्रेस को वोट दिया जो 2019 से 2 प्रतिशत अधिक है। तुलनात्मक रूप से इस साल 21 प्रतिशत पुरुषों ने कांग्रेस को वोट दिया।महिला मतदाताओं के प्रभाव और ताकत को ध्यान में रखते हुए सभी प्रमुख दलों ने महिलाओं के लिए सभी प्रकार की कल्याणकारी योजनाओं के साथ-साथ प्रोत्साहनों की घोषणा की थी। इनमें सस्ती एल.पी.जी. से लेकर नकद प्रोत्साहन और बालिकाओं और महिलाओं के कल्याण के उद्देश्य से कई अन्य योजनाएं शामिल थीं। उम्मीदवारों का चयन करते समय प्रमुख राजनीतिक दलों को शायद 'जीतने की क्षमता' का कारक प्रभावित करता था। ऐसे उच्च दाव वाले चुनावों में कोई भी राजनीतिक दल ऐसे उम्मीदवारों को मैदान में नहीं उतारना चाहेगा जिनका समर्थन आधार कमजोर हो। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि राजनीतिक दल महिलाओं को जिम्मेदारियां संभालने के लिए प्रोत्साहित करके और भविष्य में नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत के प्रस्तावित आरक्षण के साथ सभी दलों को भविष्य में चुनावी चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहने के लिए संभावित महिला उम्मीदवारों को रखना चाहिए।

भागवत की टिप्पणी पांच साल पहले होनी चाहिए थी!

संजय बारू

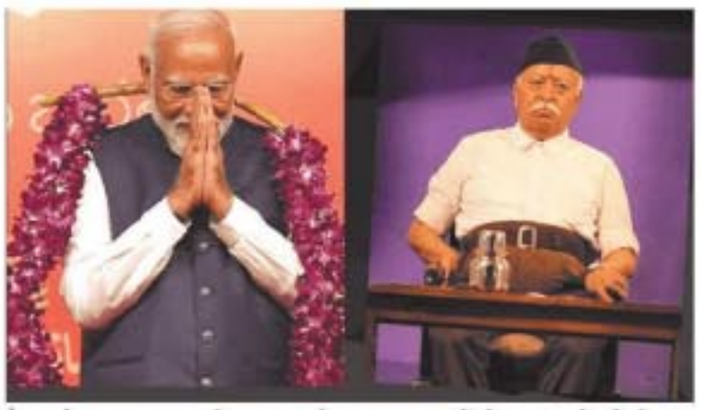

आंध्र प्रदेश के तेलुगु देशम सुप्रीमो एनटी रामाराव और हरियाणा के दिग्गज चौधरी देवी लाल के बीच दिलचस्प बातचीत का एक किस्सा है। देवी लाल ने एनटीआर से उनकी जाति के संदर्भ में पूछा था, कम्मा क्या होता है?, जिसका जवाब एनटीआर ने दिया था, हम आंध्र के जाट हैं। देवी लाल तुरंत एनटीआर और उनकी पार्टी को भारत के जाति पदानुक्रम के हिसाब से राजनीतिक ढांचे में फिट करने में सक्षम हो गए थे। जब क्षेत्रीय नेता राष्ट्रीय नेता बनने की कोशिश करते हैं, तो वे हमेशा ऐसे मंच ढूंढते हैं जो पूरे देश में अपील करें। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने हिंदुत्व जैसे एक मंच का निर्माण किया था, लेकिन यह अखिल भारतीय राजनीतिक मंच बनने में उतार-चढ़ाव से गुजरा है। तो फिर, भारतीय राष्ट्रत्व को एक सूत्र में पिरोने वाला क्या तत्व है? ऐसा कौन सा तत्व है जो भारत के एक हिस्से के लोगों को दूसरे हिस्से के लोगों को अपनी सामाजिक संरचना और सांस्कृतिक पहचान समझाने की आवश्यकता नहीं होने देता? जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के जाने-माने राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर, स्वर्गीय प्रोफेसर राशिदुद्दीन खान तर्क देते थे कि केवल दो समूह हैं जो वास्तव में पैन-इंडियन हैं ङ्घ ब्राह्मण और मुस्लिम। निश्चित रूप से, दोनों समूहों के भीतर विभाजन हैं। शैव और वैष्णव, सुन्नी और शिया आदि। लेकिन जब कश्मीर का एक ब्राह्मण तमिलनाडु के ब्राह्मण से मिलता है, या पेशावर का एक मुस्लिम ढाका के मुस्लिम से मिलता है, तो वे एक-दूसरे से सामाजिक रूप से जुड़ पाते हैं। राशिदुद्दीन खान की परिकल्पना थी कि ब्राह्मण और मुस्लिम (विभाजन तक) अखि?ल भारतीय समुदायों के रूप में उपमहाद्वीपीय एकीकरण के उपकरण बन गए थे। इसलिए, स्वाभाविक रूप से, आरएसएस के विचारक, जो उपनिवेशवाद के बाद के भारत को एकजुट करना चाहते थे, सभी ब्राह्मण थे। शायद यह कोई संयोग नहीं था कि पहले भाजपाई प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी एक ब्राह्मण थे। इसी तरह की सोच ने शायद महात्मा गांधी को हिंदी हृदयभूमि में बसे एक कश्मीरी पंडित, जवाहरलाल नेहरू को भारत का पहला प्रधानमंत्री बनाने के लिए प्रेरित किया था। नरेंद्र मोदी ने जातिगत विभाजन का फायदा उठाकर, खुद को एक पिछड़ी जाति के राजनेता के रूप में पेश करके, और अपने प्रचार भाषणों में मुसलमानों को निशाना बनाकर, अपने समर्थन आधार का विस्तार करने की कोशिश की है। दूसरी ओर, आरएसएस न केवल हिंदू एकता पर जोर देता है, बल्कि हिंदुत्व और भारतीयता की अवधारणाओं के आधार पर अल्पसंख्यक समुदायों को जीतने की कोशिश करता है, जिसमें अल्पसंख्यकों को उनके पूर्वजों की हिंदू जड़ों की याद दिलाई जाती है। राष्ट्रीय एकता पर यह जोर, अपनी ही, हालांकि संदिग्ध, विचारधारा के ढांचे के भीतर, आरएसएस सरसंघचालक मोहन भागवत के हालिया बयानों की व्याख्या कर सकता है। भागवत का मुख्य संदेश था कि राजनीतिक सत्ता की तलाश में जिम्मेदार राष्ट्रीय नेताओं को विभाजनकारी नारे और एजेंडा त्यागना चाहिए, और जबकि लोकतांत्रिक मुकाबला प्रतिस्पर्धी दलों के बीच होता है, वे राष्ट्रीय सिक्के के दो पहलू बने रहते हैं। भागवत ने कहा, हमारी परंपरा सहमति बनाने की है। इसलिए संसद में दो पक्ष हैं ताकि किसी भी मुद्दे के दोनों पक्षों पर विचार किया जा सके। लेकिन हमारी संस्कृति की गरिमा, हमारे मूल्यों को बनाए रखा जाना चाहिए था। चुनाव प्रचार में गरिमा का अभाव था। इसने माहौल को जहरीला बना दिया। तकनीक का इस्तेमाल झूठे प्रचार और झूठी कहानियां फैलाने के लिए किया गया। क्या यह हमारी संस्कृति है? भागवत की टिप्पणी, जो कम से कम पांच साल पहले होनी चाहिए थी, निश्चित रूप से मोदी पर एक ताना थी। पिछले पांच वर्षों में, आरएसएस के कई लोग मोदी की विभाजनकारी और स्वार्थी राजनीति से चिंतित हैं। मोदी ने अपने लिए एक पैन-इंडियन राजनीतिक आधार, मोदी-का-परिवार बनाकर आरएसएस से मुक्ति पाने की उम्मीद की होगी, लेकिन यह स्वार्थ पर आधारित था और व्यक्तित्व पूजा, सत्ता और विशेषाधिकार को बढ़ावा देने वाला था। बीजेपी के मंत्री न केवल अपने समर्थकों से दूर होते जा रहे थे, बल्कि भ्रष्ट और एक व्यक्तित्व पूजा के गुलाम भी हो गए थे। जैसा कि मैंने अपनी पुस्तक इंडियाज पावर एलीट¬ कास्ट, क्लास एंड अ कल्चरल रेवोल्यूशन (2021) में बताया था, मोदी, माओ जेडोंग की तरह, एक व्यक्तित्व पूजा को बढ़ावा देते हैं, जिसमें एक वफादार मीडिया भी शामिल है, जो अपनी पार्टी से बड़ा बनने की कोशिश करता है। भागवत ने मोदी को याद दिलाया है कि वह संघ परिवार का एक और सदस्य हैं। मोदी-का-परिवार की अवधारणा, एक प्रत्यय जो वरिष्ठ मंत्री भी शर्मनाक रूप से अपनी सोशल मीडिया पहचान में जोड़ते थे, घृणित है। संघ परिवार राष्ट्र की सेवा करता है। मोदी का परिवार केवल मोदी की सेवा करता है। अपने संक्षिप्त, लेकि?न समय पर दि?ए बयान में भागवत ने आरएसएस की प्रतिष्ठा को बचाने की कोशिश की, खुद को क्षतिग्रस्त बीजेपी नेतृत्व से अलग किया। ऐसा करते हुए, उन्होंने मोदी से ऊपर उठकर खुद को राष्ट्रीय एकता के उच्च आसन पर रखा है। भागवत ने यह काम ऐसे समय में किया है जब भारत और दुनिया मोदी के घायल व्यक्तित्व के नीतिगत और राजनीतिक निहितार्थों की जांच कर रहे हैं। यह याद किया जा सकता है कि वाजपेयी ने भी आरएसएस की छाया से बाहर निकलने की कोशिश की थी। उनका तत्कालीन आरएसएस प्रमुख के.एस. सुदर्शन के साथ कभी मधुर संबंध नहीं रहा। लेकिन वाजपेयी अपने मिलनसार व्यक्तित्व और समावेशी राजनीति के आकर्षण के माध्यम से सुदर्शन से ऊपर उठने में सक्षम थे। हालांकि आरएसएस ने अंततः उन्हें राजनीतिक रूप से नुकसान पहुंचाया होगा, 2004 के चुनावों में उनका समर्थन वापस ले लिया, वाजपेयी राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बने रहे। अगर मोदी नफरत और बढ़े हुए अहंकार के बजाय एकता के प्रतीक के रूप में उभरे होते, तो वे भागवत द्वारा सार्वजनिक रूप से फटकार से बच सकते थे।

सीखना बनाम सिखाना...

प्रभात कुमार

दुनिया जानती और मानती है कि पढ़ने-लिखने, सीखने और सिखाने की कोई उम्र नहीं होती। जबसे सोशल मीडिया ने इंसानी दिमाग पर कब्जा किया है, हर विषय पर सूचनाओं के अंबार लगे हैं। यह साबित हो रहा है कि कुछ भी सीखने की उम्र तो नहीं होती, समय भी नहीं होता। सुबह से शाम तक, चौबीसों घंटे सीखते रहा जा सकता है। दुनिया भर के लोग और खासकर हमारे देशवासी सामाजिक मंच पर ज्यादा जमा हैं। ये लोग हर समय एक-दूसरे को उपदेश दे रहे होते हैं, यानी सिखा रहे होते हैं। उन्हें सुबह शुभदिन का संदेश भेजा जाए, तो वे उसे स्वीकार कर लेते हैं, लेकिन अपने हाथों से शुभदिन लिख कर यानी मोबाइल के की बोर्ड पर टाइप नहीं करते, बल्कि कहीं से भेजे गए उपदेश को सिर्फ अग्रेषित कर देते हैं, जिनमें कोई न कोई सीख होती है। यह बात दीगर है कि यह सीख आज के माहौल में ऐसी होती है मानो महाभारत के समय में रामायण की सीख पर चलने के लिए आग्रह किया गया हो। सुबह जल्दी उठें या देर से, दूसरों को सिखाना, बताना और समझाना शुरू हो जाता है कि सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठें, उठकर क्या-क्या करें। इस बारे में सैकड़ों लोग सिखा रहे हैं कि नाश्ते में क्या खाएं, दोपहर को क्या और रात का भोजन और भजन कितने बजे करें। आपकी पसंद, सेहत और आर्थिक हालात, सिखाने वालों को पता नहीं होते। उनका नैतिक कर्तव्य तो सुबह से रात तक क्या खाना चाहिए और क्या नहीं, इस बारे सिखाना है। खाने के साथ-साथ पोशाक पहनने के बारे में कई पाठ हैं। किस दिन कौन-सा रंग पहनें, किस राशि के लोग कौन से वस्त्र धारण करें, कौन से नक्षत्र में पैदा होने वालों को कौन से रंग के फल और सब्जियां खानी चाहिए। आशंका है कि शायद आने वाले वक्त में यह बताया जा सकता है कि किस राशि के व्यक्ति को सोमवार को किस आकार के कालर की टीशर्ट या कमीज पहननी चाहिए। मंगलवार को बिना कालर की लाल कमीज पहननी चाहिए या नहीं। ऐसे लोग भी मिल सकते हैं कि जो बताएं कि रविवार को घर पर खाना नहीं चाहिए। इसी तरह अलग-अलग दिन के लिए अलग रंग के कपड़े पहनना निर्धारित किया जाएगा और बताया जाएगा कि उसे कोई खास कपड़ा पहनना शुभ है या नहीं। पसंद पर इस तरह की धारणाएं और बाजार की मांग या कारोबार हावी रहेंगे। यह बात दीगर है कि बदलते फैशन पर फिल्मी शैली का कब्जा है। कपड़ों के आकार-प्रकार या डिजाइन के मामले में अशालीनता रोजाना नए पहाड़ पर चढ़ना सिखा रही है। किसी की पसंद दूसरों की नापसंद होती है। मसला सुविधा और चुनाव का है, जिस पर बंदिश संभव नहीं है और न ही उचित है। आसपास सिखाने वालों की कतार लगी है। अब नई और हैरान करने वाली चीजें पकाने वाले दर्जनों लोग सामाजिक मंच पर सक्रिय हैं। उनके बारे में बताने वाले दिन-रात जुटे हुए हैं। यूट्यूब के वीडियो में खाना पकाना, सिखाना और कमाना, प्रतियोगिता में लिपटा व्यवसाय है। रसोई चलाने वाले लाखों लोग इनसे सीख रहे हैं। इतना ज्यादा सिखाया जाने लगा है, लगता है सुनने वाले तमाम लोग बुद्धू हैं। किसी को कुछ पता नहीं है। सिखाने वाले मानते नहीं होंगे कि सभी अपने तरीके से खाना, पीना, पहनना चाहते हैं, उन्हें बस सिखाना है, इसलिए उनकी बातें, लहजा और भाव भी उपदेशक की होती है। वे मान कर चलते हैं कि वे सिखा रहे हैं और बाकी सब लोग सीख रहे हैं।इससे इतर एक स्थिति यह है कि अधिकांश लोग इस सच को आत्मसात कर चुके हैं कि जिंदगी एक बार मिली है। इसे अपने अंदाज में जीना, मजा लेना जरूरी है। सवाल है कि ऐसे में सिखा रहे लोगों को सुनने वाले लोग सुनने के बावजूद कितना सीखते होंगे? कुछ समय पहले एक व्यक्ति ने सिखाया कि सफाई करने से पहले जरूरत के मुताबिक सूची बना कर रख लें। यह बताया गया कि कमरा खाली कर सफाई करें। सफाई का पूरा फार्मूला बता दिया गया। जिंदगी तकनीक के शिकंजे में फंसती जा रही है। सुझाया गया कि थकान से बचने के लिए एक दिन में एक ही कमरा साफ करें। पुराने पालिथिन, बोतलें, कपड़े और प्लास्टिक पात्र संभालकर न रखने, बल्कि किसी को देने या बेचने के बारे में सुझाया गया। बाजार ने दबाव बना कर खूब सामान खरीदना सिखा दिया है। जिंदगी में स्वच्छता, पर्यावरण प्रेम, ईमानदारी और अनुशासन बहुत हो गया, अब तो बस सिखाया जा रहा है कि टीशर्ट, कार्डिगन, पैंट या हुडी कैसे तह करें। इसे आसान बनाकर फोटो और वीडियो सहित बताया जा रहा है। घरेलू सफाई के लिए छोटे से छोटे उपाय बताए जा रहे हैं। यानी कोई भी काम हो तो व्यक्ति अपना दिमाग खर्च न करे, बस यूट्यूब या कोई अन्य मंच खोल ले और सब कुछ निर्देशित तरीके से सीख ले। पहले भी तो संतान होती थी। कितना सहज और सरल था सब कुछ। इतने विकास के बाद भी यह सीखने में कम आता है कि लड़का लड़की समान होते हैं। यह समझाया जा रहा है कि लड़का चाहिए तो क्या, कैसे करें, क्योंकि हमारे समझदार और अति विकसित होते जा रहे समाज की मानसिकता में लड़के की चाहत कम नहीं होती।

इंसानी फितरत को समझने में नाकामी और एग्जिट पोल

दो दिन पहले आपने क्या नाश्ता किया? चूंकि नाश्ता रोजमर्रा का मामला है, अतः नाश्ते के फैसले पर ज्यादा विचार नहीं किया जाता है। हममें से अधिकांश लोग भूल जाते हैं कि हमने दो दिन पहले क्या भोजन ग्रहण किया था। मगर क्या हममें से बहुत लोग भूल गए होंगे कि हमने 2024 के आम चुनाव में किस प्रत्याशी को वोट दिया था? मतदान करना कोई रोजमर्रा का व्यवहार नहीं है। अधिकांश लोगों के लिए, मतदान एक बहुत सोच-विचारकर लिया गया फैसला है। यह संभव नहीं है कि कोई यह भूल जाए कि उसने किस राजनीतिक दल को वोट दिया था। यदि ऐसा है, तो ज्यादातर एग्जिट पोल सही भविष्यवाणी में नाकाम क्यों रहे? हर निर्वाचन क्षेत्र के बड़े मतदाताओं का सटीक प्रतिनिधित्व करने वाले सही नमूनों का चयन न कर पाना, आकलन में गलती का एक महत्वपूर्ण कारण हो सकता है। सर्वोत्तम सांख्यिकीय तरीकों का इस्तेमाल करने के बावजूद मतदाताओं के फैसले का सटीक मूल्यांकन आसान नहीं होता। भारत में बाजार अनुसंधान उद्योग कई दशक पुराना है और कई एजेंसियों ने पिछले कुछ वर्षों में बहुत सारे उपभोक्ता या मतदान अनुसंधान किए हैं। ऐसे में, यह यकीन करना मुश्किल है कि उन्होंने भारत जैसे जटिल देश को समझने के लिए जरूरी सांख्यिकीय तरीकों का अब तक पता नहीं लगाया है। एग्जिट पोल के नतीजे गलत क्यों थे, इसके अन्य कारण भी हो सकते हैं। अपनी किताब प्राइवेट ट्रुथ्स, पब्लिक लाइज ¬ द सोशल कॉन्सिक्वेंसेस ऑफ प्रिफरेंस फाल्सिफिकेशन में अर्थशास्त्री तिमुर कुरन 'वरीयता मिथ्याकरण' की बात करते हैं। कुरन के अनुसार, यह वास्तविक या कथित सामाजिक दबावों के तहत किसी के वास्तविक विचारों को गलत ढंग से पेश करने का कार्य है। रोजमर्रा की जिंदगी में ऐसा अक्सर होता है, जब हम किसी मेजबान को बताते हैं कि हम परोसे गए भोजन का खूब आनंद ले रहे हैं, जबकि हमें भोजन बेस्वाद लग रहा होता है। समाज में ऐसे व्यवहार की व्यापकता को देखते हुए, क्या ऐसा हो सकता है कि कुछ मतदाताओं ने अपना वोट किसी खास सियासी दल को दिया हो, पर जब एग्जिट पोल करने वालों ने उनसे पूछा, तो उन्होंने दूसरे दल का नाम बता दिया? मतदाता आखिर ऐसा क्यों करते हैं? उनकी कथनी और करनी में अंतर क्यों हो जाता है? दरअसल, सामाजिक जीव होने के नाते, इंसान इस बात की बहुत चिंता करता है कि दूसरे लोग उसके विचारों व कार्यों के बारे में क्या सोचते हैं? कई बार लोग बहुमत के विचार के साथ दिखने मात्र के लिए गलत जवाब देते हैं। इसे प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक सोलोमन एश के एक प्रसिद्ध प्रयोग द्वारा समझा जा सकता है। दूसरे शब्दों में कहें, तो लोगों से अगर अलग-अलग पूछा जाए, तो वे सही जवाब दे सकते हैं, मगर जब तीन की पसंद चौथा आदमी सुन लेता है, तो वह भी उसी पसंद के पक्ष में फैसला सुना देता है। यह एक तरह की नकल है। शायद ही कोई व्यक्ति अल्पमत में दिखना चाहता है। मतदान केंद्र के अंदर लोगों को भरोसा होता है कि उनका व्यवहार गोपनीय रहेगा, इसलिए वहां वे अपनी सोच के हिसाब से व्यवहार करते हैं, पर मतदान केंद्र के बाहर उन पर बहुमत के विचारों से सहमत होने का दबाव होता है। ऐसे में, यह मुमकिन है कि इस साल के एग्जिट पोल में कई उत्तरदाताओं ने बहुमत के हिसाब से अपना फैसला जाहिर किया है। इन एग्जिट पोल में हमने देखा है कि लोग जो कहते हैं और जो करते हैं, दोनों के बीच अंतर स्पष्ट है। अधिकांश अनुसंधान एजेंसियां मतदाताओं के इस रवैये को समझने में नाकाम हैं। किसी भी सर्वेक्षण में व्यावहारिक पहलू को समझना जरूरी है।

आज का राशिफल

मेष [illegible]

वृषभ [illegible]

मिथुन [illegible]

कर्क [illegible]

सिंह [illegible]

कन्या [illegible]

तुला [illegible]

वृश्चिक [illegible]

धनु [illegible]

मकर [illegible]

कुंभ [illegible]

मीन [illegible]

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5271

			2	4		6		
9								3
1					3		4	5
5	6			7		1		
		4	8		5	9		
		1		6			5	2
6	9		5					1
4								9
		8		9	6			

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5270

4	1	6	9	2	3	5	8	7
5	8	2	4	1	7	6	9	3
3	9	7	6	8	5	4	1	2
7	3	9	1	6	4	2	5	8
1	5	8	3	7	2	9	4	6
6	2	4	8	5	9	7	3	1
9	7	3	2	4	1	8	6	5
2	6	1	5	9	8	3	7	4
8	4	5	7	3	6	1	2	9

वर्ग पहेली 5271

संकेत: बाएं से दाएं

1. 13 मार्च 1999 को शेख हमाद बिन ईसा अल खलीफा इस देश के शासक बने (4)
5. उत्तरप्रदेश की इस नगरी में 13 मार्च 2009 को महोत्सव शुरू हुआ (3)
8. कुछ लाल, सुर्खी लिए हुए (4)
9. जल में उत्पन्न वस्तु (3)
10. पुत्र का अपभ्रंश, बेटा (2)
11. नगर वधू, वेश्या, गणवधू (4)
14. [illegible], सर्वोच्च सत्ता (3)
16. सुंदर स्त्री, कोमल कांत (2)
18. उत्साहपूर्ण, [illegible], जिसमें दम हो, शक्तिशाली (4)
20. स्थिति, दशा, अवस्था (2)
22. किसी फिल्म, रंगमंच आदि का शुभारंभ (3)
23. अपना, खुद का, निज (2)
24. शिवजी का धनुष जिसे सीता स्वयंवर के समय श्रीराम ने तोड़ा था (3)
25. एक प्रकार का अन्न जिससे मदिरा निर्माण भी होता है (1)

ऊपर से नीचे

1. वर्षा, बारिश (4)
2. पुष्पित, प्रहर्षित, पुलकित (3)
3. इस अभिनेत्री की पहली फिल्म बी.आर.इशारा निर्देशित जरूरत (1991) थी (4)
4. पुरुष, मर्द (2)
5. वर्तमान दौर का एक न्यूज चैनल (4)
6. [illegible], बाल (पंजाबी) (2)
7. ताजमहल में लगने वाला संगमरमर पत्थर इस प्रदेश से लाया गया था (4)
12. पिता, पैदा करने वाला, जनक (3)
13. फल देने वाला, फलदाता (5)
15. अवमानना, अवज्ञा, मानभंग (4)
17. भवसागर से पार उतारने वाला (3)
19. करे हुए को प्रकट करना, मन्नत मानना (3)
21. स्वादिष्ट, सुस्वादु, मजेदार (2)

वर्ग पहेली 5270 का हल

संगठनात्मक कार्यक्रमों को लेकर भाजपा जिला बैठक सम्पन्न

मंदसौर जिले में भाजपा को ऐतिहासिक बढ़त मिलने पर जिलाध्यक्ष का किया सम्मान

मंदसौर, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा एवं प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा की निर्देशानुसार आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों को लेकर मंदसौर जिला भाजपा कार्यालय पर भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया के नेतृत्व में जिला बैठक सम्पन्न हुई। बैठक का शुभारंभ डॉ.श्यामाप्रसाद मुखर्जी एंव पं.दीनदयाल उपाध्याय जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। बैठक में भाजपा जिला महामंत्री गण गणपत सिंह आंजना एंव राजेश दीक्षित मंचस्थ थे। बैठक के दौरान लोकसभा चुनाव में मंदसौर जिले में भाजपा उम्मीदवार सुधीर गुप्ता गुप्ता को 2 लाख 54 हजार 681 वोटों की लीड मिलने पर भाजपा जिला पदाधिकारी एंव मंडल अध्यक्ष गणों द्वारा भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया का साफा बांधकर सम्मान किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया ने सर्वप्रथम देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र में लगातार तीसरी बार एनडीए की सरकार एंव मंदसौर संसदीय क्षेत्र से वरिष्ठ सांसद सुधीर गुप्ता को लगातार तीसरी बार भारी मतो से विजय होकर सांसद बनने पर पार्टी के आप सभी पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं को बहुत-बहुत बधाई देता हुँ। निश्चित रूप से आप सभी के द्वारा किये गये अथक परिश्रम एंव संगठनात्मक कार्यों कें कारण आज फिर पुरे देश के साथ मंदसौर संसदीय क्षेत्र में कमल खिल गया है। विगत दिवस भोपाल में भाजपा प्रदेश कार्यालय पर आयोजित बैठक में लोकसभा चुनाव की समीक्षा के दौरान मंदसौर जिले में किये गये नवाचार जिनमें पंचायत सम्मेलन, अनुसूचित बस्ती में संपर्क एंव संवाद कार्यक्रम के सम्पन्न होने पर भाजपा जिला संगठन मंदसौर की प्रशंसा की गई। इस लोकसभा चुनाव में हमारा वोट बैंक 4 प्रतिशत से अधिक बढा है। हमें अभी से ही हारे हुए चुनिंदा बूथों पर समीक्षा कर विशेष प्रचार अभियान प्रारंभ करना होगा। हमें पुन: एक बार प्रदेश संगठन द्वारा दिये गये निर्देशानुसार आगामी कार्यक्रमों को प्रत्येक मंडल स्तर पर पूर्ण करने की कार्ययोजना प्रारंभ कर देनी चाहिए। शीर्ष नेतृत्व की मंशानुसार 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विशेष प्रयासों से 21 दिसम्बर, 2014 को संयुक्त राष्ट्र संघ के 193 सदस्य देशों के समर्थन से 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने की घोषणा की थी। इस अवसर पर प्रत्येक वर्ष योग के विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन होता है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी 21 जून, 2024 को श्रीनगर में योग दिवस के कार्यक्रम में उपस्थिति रहेंगे। इसी को लेकर प्रत्येक मंडल पर कम से कम एक योग शिविर आयोजित किया जाए। सभी मोर्चा एवं प्रकोष्ठ जिला एंव मंडल स्तर पर एक योग शिविर का आयोजन करे तथा इस कार्यक्रम में सभी जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति सुनिश्चित करे। उपरोक्त कार्यक्रम के अलावा सार्वजनिक कार्यक्रम जैसे- शिक्षण संस्थान, सामाजिक संस्थाओं इत्यादि द्वारा आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में भी पार्टी के जनप्रतिनिधियों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित हो। योग शिविर के कार्यक्रम में समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों, कलाकारों, खेल जगत के व्यक्तियों तथा जनप्रतिनिधियों इत्यादि का वीडियो एवं फोटो भी अधिक से अधिक प्रचारित एवं प्रसारित हो।

हम सभी कार्यकर्ताओं के प्रेरणास्रोत डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी का स्मृति दिवस 23 जून पार्टी द्वारा बूथ स्तर पर आयोजित होने वाले 6 प्रमुख कार्यक्रमों में से एक है। इस हेतु जिले के समस्त मंडल के प्रत्येक बूथ पर डॉ॰ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि, सार्वजनिक स्थान पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा उनके विचार, त्याग एवं बलिदान पर व्याख्यान हो। मंडल स्तर पर डॉ॰ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के विचार एवं प्रेरणा से संबंधित विचार गोष्ठी का आयोजन करना है। 23 जून से 6 जुलाई तक सभी बूथ पर एक पेड़ माँ के नाम वृक्षारोपण का कार्यक्रम आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने दिनांक 5 जून, 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर दिल्ली के बुद्ध जयंती पार्क में पीपल का पेड़ लगाकर एक पेड़ माँ के नाम अभियान की शुरूआत की थी। इसी अभियान को लेकर मंडल स्तर से पन्ना प्रमुख स्तर के सभी कार्यकर्ता माँ के साथ अथवा मां की तस्वीर लेकर एक पेड़ माँ के नाम लगाये और इससे जुड़ी तस्वीर को अधिक से अधिक ट्वीट एवं सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार-प्रसार करें। इस अभियान में देश का प्रत्येक नागरिक हिस्सा ले एवं इस अभियान में सार्वजनिक संस्थानों, स्कूल, कालेजों, शिक्षण संस्थानों एवं एनजीओ को शामिल किया जाए। साथ ही व्यापक स्तर पर पर्यावरण संरक्षण हेतु वृक्षारोपण किया जाये तथा हर कार्यक्रम से पहले वृक्षारोपण अवश्य हो। एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम को जन-जन का कार्यकम बनाने हेतु जनजागरण अभियान चलाना है। स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत को ध्यान में रखते हुए तालाब, कुआं एवं अन्य जल बहाव, जल स्रोतों को लक्ष्य लेकर के प्लास्टिक रहित अभियान 6 जुलाई तक चलाया जाए। इसी क्रम में 25 जून, 1975 को कांग्रेस शासन द्वारा आपातकाल लागू किया गया तथा लोकतंत्र की हत्या, मानवाधिकारों का हनन एवं देशवासियों पर विभिन्न प्रकार के अत्याचार देश के इतिहास में काला दिवस के रूप में जाना जाता है। प्रत्येक मंडल में आपातकाल के संबंध में कार्यक्रमों का आयोजन हो, विचार गोष्ठी आयोजित करें तथा सोशल मीडिया के माध्यम से आपातकाल को कांग्रेस द्वारा लोकतंत्र पर किये गये हमले के रूप में प्रचारित एवं प्रसारित किया जाये। मीसा बंदियों से संपर्क कर उन्हें सम्मानित के कार्यक्रम किये जायें।

प्रधानमंत्री जी द्वारा विभिन्न सामाजिक विषयों पर मन की बात देश भर में बहुत ही लोकप्रिय है, इससे समाज को नया आयाम तथा विभिन्न सकारात्मक कार्यों कें प्रति प्रोत्साहन मिलता रहा है। सभी बूथों पर सामूहिक रूप से मन की बात कार्यक्रम को सुना जाये, पार्टी के सभी पदाधिकारी व जनप्रतिनिधि किसी न किसी स्थान पर इस कार्यक्रम में आवश्यक रूप से भाग लें। मध्य प्रदेश के संबंध में उल्लेख किये गये सामाजिक विषयों को प्रादेशिक भाषा में मीडिया एवं सोशल मीडिया के माध्यम से अधिक से अधिक प्रचारित एवं प्रसारित करें। मन की बात में उल्लिखित व्यक्ति यदि आपके जिले से हैं तो उनसे मिलकर के उनका सम्मान करें। उक्त सभी कार्यक्रमों को जिले के प्रत्येक मंडल में एंव मंडल के बूथ स्तर तक सम्पन्न करने की कार्ययोजना बना लेवें। बैठक में भाजपा जिला पदाधिकारीगण शिवराज सिंह राणा, राजेश नामदेव, राजेश पालीवाल, संजय मुरडिया, पारस मावर, राजु चावला, अजय तिवारी, कृष्णपाल सिंह शक्तावत, सुनिता पालीवाल, अंकित सोनी, विनय धनगर, मोर्चा जिलाध्यक्ष विक्रमसिंह चौहान, निर्मला गुप्ता, मंडल अध्यक्षगण अभिषेक मांदलिया, राजमल सुरावत, नेपाल सिंह चौहान, ओमप्रकाश परमार, लाल सिंह देवडा, जितेन्द्र जाट, राजेन्द्र सिंह राणा, जीवन शर्मा, ईश्वरसिंह पंवार, विकास सुराना, अरविंद सारस्वत सहित भाजपा मंडल महामंत्री उपस्थित थे। बैठक का संचालन भाजपा जिला महामंत्री गणपत सिंह आंजना ने किया एंव आभार भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजेश नामदेव ने माना। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी निलेश जैन ने दी।

खेल शारीरिक व बौद्धिक क्षमता को बढ़ाता है-भाटी

यूनिक क्रिकेट अकादमी ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का सम्मान

मंदसौर, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। यूनिक क्रिकेट अकादमी द्वारा मेत्री मैच का आयोजन किया गया। इस दौरान अकादमी द्वारा उत्कृष्टखेल प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का सम्मान भी किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश क्रिकेट क्लब के आजीवन सदस्य डॉ. एस.एस. भाटी, जिला क्रिकेट एसोसिऐशन के सहसचिव नवीन खोखर, प्रचार प्रमुख ब्रजेश सेन मारोठिया, सदस्य देवेन्द्र बैरागी, वरिष्ठ क्रिकेट खिलाडी निलेश खोखर, दीपकसिंह चन्द्रावत उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मध्यप्रदेश क्रिकेट क्लब के आजीवन सदस्य डॉ. एस.एस. भाटी ने कहा कि खेल जीवन का अभिन्न अंग है पढाई के साथ-साथ बच्चों को खेलों पर भी ध्यान देना चाहिए, जिससे वे अपनी शारीरिक एवं बौद्धिक क्षमता को भी बढा सकें। क्रिकेट से मंदसौर व आसपास क्षेत्र के अधिक से अधिक खिलाडी जुड सके इस दिशा में यूनिक क्रिकेट अकादमी सराहनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि खेलों से युवाओं का शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है। मंदसौर में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। बशर्ते उन्हें बेहतर सुविधाएं मुहैया कराई जाए। इस अवसर पर अबुजर कुरेशी, हितेश आडवानी, मोहम्मद सईद, वैदिक जैन, रिदम नाहटा, मिहिर सौलंकी, सौरभ धनगर, हार्दिक परिहार, मन्नत जैन आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन नवीन खोखर ने किया व आभार निलेश खोखर ने माना।

इनका खिलाड़ियों का हुआ सम्मान- क्रिकेट खेल में बेहतर व उत्कृष्टप्रदर्शन करने वाले भविष्य मीणा, राज्यवर्धनसिंह झाला, दर्शिल प्रधान, अर्थव नीमा, कनिष्क व्यास, मेहुलसिंह राजपूत, वेद के थवास, मोहित जैसवानी, हिमेश चौहान, दक्ष डागर शिल्ड देकर सम्मान किया।

पशुपतिनाथ महादेव की प्रतीमा पर कुमकुम तिलक नहीं लगाने के...

तुगलकी निर्णय से श्रद्धालुओं की भावनाएं हो रही है आहत-भावसार

मंदसौर, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। पूर्व पार्षद व वरिष्ठपत्रकार सुरेश भावसार ने कहा कि कोई भी धार्मिक आयोजन हो तो कंकू, अक्षत, अबीर, गुलाल का चढाने का अपना अलग ही महत्व है। हिन्दू धर्म में जहां भगवान को कंकू, अबीर, चावल चढाए जाते हैं वहीं कंकू व कुमकुम का तिलक का भी अपना महत्व है लेकिन इन दिनों अष्मुखी भगवान पशुपतिनाथ मंदिर की प्रबंध समिति ने तुगलकी निर्णय ले लिया है कि कुमकुम में केमिकल होता है और मूर्ति का शरण होता है इसलिए भगवान की मूर्ति को कुमकुम नहीं चढाया जाएगा। इस बात को लेकर पुजारीजी ने भी कुमकुम चढाना बंद कर दिया है साथ ही आने वाले भक्त जिन्हें कुमकुम का तिलक लगाया जाता है वह भी लगाना बंद कर दिया गया है।

श्री भावसार ने कहा कि क्या शुद्ध कुमकुम नहीं मिल सकता है ? क्या प्रबंध समिति इतना भी कार्य नहीं कर सकती है या इसके पीछे उनकी मंशा कुछ और है जो भी हो लेकिन भक्तों की धार्मिक भावनाओं श्रद्धालुओं को प्रबंध समिति ठेस पहुंच रही है क्योंकि भक्त तिलक मंदिर में नहीं तो क्या कहीं और जाकर लगाएगा ? क्या उनकी धर्म की आस्था के साथ पशुपतिनाथ प्रबंध समिति का यह खिलवाड कहां तक उचित है क्योंकि भक्त मंदिर में आता है और कुमकुम तिलक लगाकर अपनी आस्था को प्रकट करता है लेकिन शायद उसकी आस्था को ठेस पहुंचती है। श्री भावसार ने कहा कि पशुपतिनाथ मंदिर समिति के इस तुगलक की निर्णय की जानकारी जिला प्रशासन के अधिकारी कर्मचारी जनप्रतिनिधि आदि को दी गई है या नहीं यह विचारणीय प्रश्न है। अगर दी गई तो आखिर वह मोन क्यों है और नहीं दी गई तो आखिर क्यों नहीं दी गई। क्या प्रबंध समिति नहीं होने के कारण पशुपतिनाथ मंदिर के कर्मचारी अपने मनमर्जी का राज इस मंदिर पर चलायेगे, क्योंकि पूर्व में भी शरण को लेकर जल चढाना बंद करवा दिया गया उसके बाद भी आप देख सकते हैं कि अष्मुखी भगवान पशुपतिनाथ के मंदिर की मूर्ति के नीचे वाले मुख मे शरण जो पहले था वह आज भी बरकरार है क्या भक्तों को भगवान से दूर करने का निर्णय पशुपतिनाथ मंदिर के कर्मचारियों ने ठेका ले रखा है। अपने वेद पुराणों में उक्त श्लोक का भी वर्णन किया गया है की,

तिलकं विप्र हस्तेन, मातृ हस्तेन भोजनम पिण्डं पुत्र हस्तेन, न भविष्यति पुन: पुन: ।। इसका अर्थ है कि ब्राह्मण के हाथ से तिलक, माता के हाथ से भोजन एवं पुत्र के हाथ से पिण्डदान का बार बार सौभाग्य प्राप्त नहीं होता।

नपाध्यक्ष व सभापति ने पर्याप्त वर्षा की कामना हेतु श्री होरी हनुमानजी के दर्शन किए

मंदसौर, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। आगामी वर्षा ऋतु में मंदसौर नगर व जिले में पर्याप्त वर्षा हो तथा नगर पालिका के जल स्त्रोतो में भरपुर पानी संग्रहीत रहे इसी मनोकामना को लेकर कल नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, जलकार्य सभापति श्री निलेष जैन एवं जलकार्य समिति के सदस्यो ने राजस्थान के हौरी हनुमानजी मंदिर पहुँचकर दर्शन किये और वहां शिवना नदी का जल अर्पित किया और वहॉ से अभिमित पानी पुन नपा के कालाभाटा बाध में लाकर प्रवाहित किया। श्री हौरी हनुमानजी मंदिर के दर्शन करने हेतु नपाध्यक्ष एवं सभापति के साथ जलकार्य समिति के सदस्यगण श्रीमती सुनिता अशोक भावसार, श्रीमती सुनिता नंदलाल गुजरिया गोरर्धन कुमावत, कमलेश सिसौदिया श्रीमती माया भावसार, पार्षद प्रतिनिधी नंदलाल गुजरिया राकेश भावसार, अर्जुन धनगर भी पहुँचे और उन्होने भी होरी हनुमान से प्रार्थना की। यह उल्लेखनीय है कि मंदसौर नगर पालिका के जनप्रतिनिधीगण व नपा कर्मचारीगण प्रतिवर्ष प्रर्याप्त वर्षा की कामना के लिये वर्षा ऋतु के प्रारंभ में हर वर्ष श्री हौरी हनुमानजी मंदिर पहुचते है और उनसे प्रार्थना करते है। इसी परम्परा को कायम रखते हुये इस वर्ष भी नपा के जनप्रतिनिधी श्री हौरी हनुमानजी मदिर पहुँचे और उन्होने समय पर व प्रर्याप्त वर्षा की कामना हेतु प्रार्थना की।

बालक उमावि में मनाया प्रवेशोत्सव

पिपलियामंडी, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। शासकीय कन्या उमावि पिपलिया में प्रवेशोत्सव मनाया व नि:शुल्क पाठ्य पुस्तकों का वितरण किया। अतिथि नगर परिषद् उपाध्यक्ष भारतसिंह सोनगरा, पार्षद प्रतिनिधि मुकेश निडर, जिपं के पूर्व सदस्य अशोक खिंची ने नवप्रवेशी बच्चों का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत् किया। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।

नेशनल लोक अदालत का आयोजन 14 सितंबर को

मंदसौर, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। जिला न्यायाधीश /सचिव जिला विविध सेवा प्राधिकरण मंदसौर द्वारा बताया गया कि 14 सितंबर 2024 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।

प्रवेशोत्सव के साथ नि:शुल्क पाठ्य पुस्तकों का हुआ वितरण

पिपलियामंडी, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। शासकीय कन्या उमावि पिपलिया में प्रवेशोत्सव मनाया व नि:शुल्क पाठ्य पुस्तकों का वितरण किया। अतिथि पार्षद विष्णुबाला कराडा, पार्षद प्रतिनिधि भूपेन्द्र महावर, सेवानिवृत शिक्षक कन्हैयालाल कराडा, क्रीडा अधिकारी अशोक शर्मा ने बालिकाओं का कुमकुम, गुलाल लगाकर स्वागत् किया व नि:शुल्क पाठ्य पुस्तकें वितरित की। प्राचार्य उमाशंकर पांडे ने छात्राओं को नियमित विद्यालय आने, अनुशासन में रहने के लिए प्रेरित किया। मोहन परमार ने मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया। स्टाफ के दशरथसिंह चन्द्रावत, घनश्याम पाटीदार, युक्ति फरक्या, दिनेश गवरिया, कन्हैयालाल पाटीदार, ईश्वरलाल पाटीदार, निशा पाटीदार, सीमा घाटिया, निधि जोशी, निर्मला मोदी, सुशीला पाटीदार, महेन्द्र राठौर, अशोक सोनगरा, जगदीश मेघवाल, राकेश शर्मा, आनंदकुंवर राठौर, देवकन्या आर्य, लक्ष्मीबाई सिंधम आदि उपस्थित रहे। संचालन विनीता मेहता ने किया। आभार रघुनंदन श्रीमाल ने माना।

सक्षम के स्थापना दिवस पर सभी समाजजन दिव्यांगों के सहयोग एवं समुचित विकास हेतु संकल्प लें

मंदसौर, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। सक्षम समदृष्टि क्षमता विकास एवं अनुसंधान मंडल (सक्षम) विकलांगता के क्षेत्र में सेवारत एक अखिल भारतीय संगठन है। सक्षम की स्थापना 20 जून 2008 को इस संगठन की स्थापना हुई। इस प्रकार आज 16 वर्ष पूर्ण करने के बाद सक्षम 17 वर्ष में प्रवेश कर रहा है। सक्षम के स्थापना दिवस पर दिव्यांगों के सहयोग हेतु समाज के सभी लोग उनके साथ खडे हो और दिव्यांगों के समुचित विकास में भागीदार बनने का संकल्प ले। समाज के जिस जिस क्षेत्र में भी आवश्यकता होती है वहां संघ अपने स्वयंसेवकों को कार्य करने के लिए प्रेरित करता है। सभी प्रकार की विकलांगताओ को अपना सेवा क्षेत्र बना कर सक्षम संगठन ने बाल्यावस्था में ही अखिल भारतीय स्वरूप धारण किया है। सक्षम का दृढ विश्वास है कि प्रत्येक मानव दिव्य गुणों तथा क्षमताओं से संपन्न है इसी प्रकार सक्षम की दृढ मान्यता है कि विकलांगता प्रकृति में अंतर निहित विविधता का ही एक अंतरंग पक्ष है सक्षम एक ऐसे वातावरण के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है जहां दिव्यांगजन सामाजिक व्यावहारिक आर्थिक राजनीतिक सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक इत्यादि जीवन के विविध क्षेत्रों में समरसता का अनुभव करें तथा स्वावलंबन आत्म सम्मान गरिमा के साथ जीवन यापन कर सके एवं राष्ट्र के पुनर्निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका का निर्वहन कर सके।

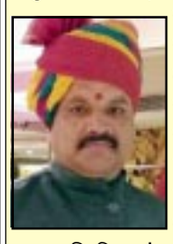

सक्षम की सभी प्रान्तों में कार्यकारणी है। यह संघठन पूरे भारत मे सभी प्रकार के विकलांगो के लिये सम्पूर्ण सहायतार्थ काम करते हुये राष्ट्र की मुख्य धारा से जोडने का काम करता है। सक्षम, विकलांगों की सहायता के लिये संगठनात्मक, आंदोलनात्मक, स्वावलम्बनात्मक आदि कई तरह के प्रकल्पो के माध्यम से कार्य करता है। विकलांगताओ को ले कर सक्षम के विभिन्न प्रकल्प भी चल रहे हैं। मालवा प्रांत में भी सक्षम इकाइयां सतत रूप से दिव्यांगों की सेवा में तत्पर है। 8 वर्ष पूर्व 5 मार्च 2016 को परम पूज्य गुरूजी की जयंती के अवसर पर सक्षम के द्वारा समारोहपूर्वक कॉर्निया अंधत्व मुक्त भारत (सीएएमबीए) अभियान का आरंभ किया गया।इस अभियान का उद्देश्य सम्पूर्ण भारत को कॉर्नीयल दृष्टिबाधा से मुक्त करना है। इसके सुखद परिणाम आने प्रारम्भ हो गए हैं। जीते जीते रक्तदान, जाते जाते नेत्रदान सक्षम का विशेष घोषवाक्य है। आप सभी के माध्यम से विकलांग-सशक्तिकरण तथा विकलांगता की रोकथाम के साथ इस क्षेत्र को अधिक सक्षम बना कर सक्षम परिवार भारतमाता को परम वैभव तक ले जाने के कार्य में अपना योगदान देने के लिए कृतसंकल्प है। समस्त सक्षम भारत अपने स्थापना दिवस पर आप सबके मंगल की कामना करता है।

॥ सक्षम भारत समर्थ भारत॥

रविन्द्र पाण्डेय, सक्षम मालवा प्रांत सचिव

स्कूलों में दर्ज सभी विद्यार्थी नियमित रूप से स्कूल आए-जैन

शालाओं में प्रवेशोत्सव, पालकों व विद्यार्थियों से कलेक्टर ने किया संवाद

नीमच, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। नीमच जिले के सभी विद्यालयों में दर्ज सभी विद्यार्थी नियमित रूप से स्कूल आए। नियमित रूप से पढाई करें। शिक्षकगण एवं अभिभावक सतत सम्पर्क में रहे और स्कूल में विद्यार्थियों की उपस्थिति सुनिश्चित करें। अभिभावक देखे कि उनका बच्चा होमवर्क नियमित रूप से करे, नियमित स्कूल आये। शिक्षकगण, परीक्षा परिणाम सुधारने पर भी विशेष ध्यान दे। यह बात कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने बुधवार को नीमच विकासखण्ड के विभिन्न विद्यालयों में स्कूल चले हम अभियान के तहत आयोजित प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में, पालक शिक्षक संघ की बैठक में शिक्षकों, पालकों व विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कही। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद, डीपीसी सुश्री किरण आंजना, बीआरसी श्री योगेश कण्डाबरा, सरपंच व अन्य जन प्रतिनिधि, शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं और उनके माता-पिता उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने प्राथमिक विद्यालय हिंगोरिया, एकीकृत माध्यमिक विद्यालय महुडिया, एकीकृत माध्यमिक विद्यालय बमोरा, बालक प्राथमिक विद्यालय गांधीनगर जीरन, एकीकृत माध्यमिक विद्यालय चीताखेडा में आयोजित प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में शामिल होकर पालक शिक्षक संघ के पदाधिकारियों, पालकों, शिक्षकगणों, और छात्र-छात्राओं से चर्चा कर, उन्हे नियमित रूप से स्कूल आने, अच्छे से पढाई करने, पढाई के साथ ही खेलकूद, संगीत, चित्रकारी आदि गतिविधियों में भी भाग लेने की समझाईश दी। उक्त शालाओं में कलेक्टर श्री दिनेश जैन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद ने प्रदेश के स्कू ल शिक्षा मंत्री जी व्दारा पालकों के नाम संदेश पत्र का वितरण भी किया गया और पालकों ने कक्षा में बच्चों को शिक्षा मंत्री जी के संदेश का वाचन कर भी सभी को सुनाया।

नवप्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत:- कलेक्टर श्री दिनेश जैन, जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद ने हिंगोरिया, महुडिया, बमोरा, जीरन एवं चीताखेडा की शाला में आयोजित प्रवेशोत्सव में कक्षा पहली एवं छटी में नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर, हार पहनाकर, स्वागत किया और उन्हें पाठ्य पुस्तकें वितरित की। कलेक्टर श्री जैन ने पहली से कक्षा पांचवी तथा 6 से 8वीं तक की कक्षाओं में टापर रहे प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं का पुष्पेहारों से सम्मान किया और उन्हें पुरस्कार भी वितरित किए।

कक्षाओं में टापर विद्यार्थियों के नाम का शाला में प्रदर्शन:- कलेक्टर श्री दिनेश जैन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद के मार्गदर्शन में सभी शालाओं में सभी कक्षाओं में टापर छात्र-छात्राओं उनके व्दारा हांसिल अंक,प्रतिशत आदि का विवरण लिखे सूचना बोर्ड भी लगाए गये है। कलेक्टर ने टापर विद्यार्थियों के नाम लिखे बोर्ड का अवलोकन किया और इसके संबंध में विद्यार्थियों से चर्चा भी की।

कलेक्टर जैन ने बच्चों के साथ बैठकर मध्यान्ह भोजन किया:- एकीकृत मा.विद्यालय चीताखेडा में प्रवेशोत्सव के पश्चात कलेक्टर श्री दिनेश जैन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद ने विद्यालय में विद्यार्थियों के साथ पंगत में बैठकर मध्यान्ह भोजन किया और मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता परखी। इस मौके पर डीपीसी सुश्री किरण आंजना, सरपंच श्रीमती मंजू जैन, बीआरसी श्री योगेश कण्डारा एवं अन्य अधिकारी, शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं तथा उनके पालकगण भी उपस्थित थे।

छात्राओं ने प्रस्तुत किया आकर्षक नृत्य:- एकीकृत माध्यमिक शाला चीताखेडा में आयोजित प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में स्कूल की तीन छात्राओं ने स्कूल चले हम अभियान के प्रेरणादायी गीत पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किया और जीवन में शिक्षा के महत्व का संदेश दिया। कलेक्टर श्री जैन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद ने छात्राओं की इस प्रस्तुति की सराहना की।

कलेक्टर ने किया चीताखेडा में पौधारोपण:- स्कूल चले हम अभियान के तहत चीताखेडा में आयोजित प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में कलेक्टर श्री दिनेश जैन, जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद व अन्य अधिकारियों ने एकीकृत माध्यमिक शाला परिसर में विद्यार्थियों के साथ पौधारोपण किया और आम तथा नीम का पौधा भी रौपा। जिला पंचायत सीईओ ने शाला परिसर में पेयजल की पर्याप्तक व्यवस्था करने के निर्देश भी ग्राम पंचायत सचिव को दिए।

कलेक्टर जैन ने जीरन सोसायटी की उर्वरक उपलब्धता का जायजा लिया

नीमच, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। किसान भाईयों को आगामी कृषि सीजन में नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया का उपयोग करने के लिए प्रेरित एवं प्रोत्साहित करें। डीएपी के विकल्प के रूप में किसानों को एनपीके का उपयोग करने के लिए भी प्रेरित करे।यह बात कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने बुधवार को नीमच जिले के जीरन में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति जीरन में उर्वरकों की उपलब्धता एवं वितरण का जायजा लेते हुए कही। निरीक्षण दौरान समिति जीरन के गौदाम में पर्याप्त मात्रा में डीएपी, एनपीके एवं यूरिया का भण्डारण पाया गया। कलेक्टर श्री जैन सोसायटी के गौदाम का निरीक्षण कर उर्वरक की उपलब्धता को देखा। उन्होने नैनो, यूरिया और नैनो डीएपी की उपलब्धता की जानकारी भी ली। कलेक्टर ने किसानों से चर्चा कर उन्हें नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया का कृषि में उपयोग बढाने की भी सलाह दी। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद, डिप्टी कलेक्टर सुश्री किरण आंजना, श्री मधुसुदन राजौरा, जीरन के पार्षदगण, किसान भाई, जि.के.सहकारी बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक, श्री आर.पी.नागदा, सहायक आयुक्त सहकारिता श्री राजू डाबर, उप संचालक कृषि श्री भगवान सिह अर्गल व अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	50	2000	2410
उडद	4	4000	8001
सोयाबीन	5100	4000	6451
गैहु	4700	2471	3232
चना	416	6060	6736
मसुर	335	5852	6373
धनिया	245	4999	7211
लहसुन	12200	5000	23000
मैथी	1156	4800	6566
अलसी	1527	5000	6040
सरसो	500	4550	5410
तारामीरा	000	0000	0000
इसबगोल	90	9800	13700
प्याज	3313	600	2500
कलोंजी	31	11701	19391
डॉलर	30	5000	10000
तिल्ली	350	10900	12581
मटरसुखी	14	2700	5660
असालीया	40	9051	9801

जलमग्न होने वाली पुल-पुलियाओं पर सुरक्षा के सभी आवश्यक उपाय किए जाएं-संभागायुक्त

अपस्ट्रीम में होने वाली वर्षा और उसके प्रभाव की सतत निगरानी करें, जिला कमांड एंड कंट्रोल रूम राउंड द क्लॉक क्रियाशील रहें, मौसम पूर्वानुमान के लिए मौसम एप डाउनलोड करें, बाढ़ आपदा प्रबंधन की संभागीय समीक्षा बैठक सम्पन्न

मंदसौर, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। संभागायुक्त उज्जैन श्री संजय गुप्ता ने बुधवार को प्रशासनिक संकुल भवन में संभाग के सभी जिलों में बाढ़ आपदा नियंत्रण के संबंध में तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने सभी जिला कलेक्टर और संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिलों में स्थापित जिला कमांड एंड कंट्रोल रूम 24 घंटे राउंड द क्लॉक क्रियाशील रहे। कंट्रोल रूम में ऐसे अधिकारी कर्मचारी की ही ड्यूटी लगाई जाए जो बाढ़ आपदा के संबंध में भली-भांति परिचित हो और जानकारी का त्वरित आदान-प्रदान कर सके। कंट्रोल रूम का नंबर बंद पाए जाने जैसी स्थितियां भी निर्मित ना हो।

राज्य स्तरीय कमांड एंड कंट्रोल रूम और वल्लभ भवन में स्थापित स्थापित सिचुएशन रूम से सतत संपर्क में रहे। वहां से प्राप्त सूचनाओं पर त्वरित कार्यवाही की जाए। सभी जिले अपने क्षेत्र में होने वाली वर्षा की सटीक और प्रमाणित जानकारी एकत्रित करें। वर्षा की 7 दिन के पूर्व अनुमान के लिए बाढ़ आपदा प्रबंधन से जुड़े सभी अधिकारी कर्मचारी मौसम एप अनिवार्य रूप से अपने मोबाइल में डाउनलोड करें। संभागायुक्त श्री गुप्ता ने निर्देशित किया कि ऐसे पुल पुलिया जिनमें भारी वर्षा के दौरान जलमग्न होने की स्थिति निर्मित होती है उनका चिन्हांकन कराएं। पुल पुलिया से संबंधित निर्माण विभाग अपने अधिकारियों कर्मचारियों की ड्यूटी लगाकर जलमग्न होने की आशंका दिखाई देने पर तत्काल उन पुल पोलियों को बंद कराएं। सुनिश्चित करें कि पुल के दोनों ओर रेडियम युक्त सूचक लगाएं ताकि लोगों को पुल की दूरी और चौड़ाई का अनुमान रहें। साथ ही पुल के दोनों छोर पर उसकी लंबाई चौड़ाई सहित आवश्यक चेतावनी सूचक बोर्ड भी लगाएं। जलमग्न होने वाली सभी पुल पुलियों की जानकारी जिला कलेक्टर अपने क्षेत्र के आरटीओ को भेजें। आरटीओ द्वारा सुनिश्चित किया जाएं कि सभी बस संचालकों और यूनियन के साथ बैठक आयोजित कर उन्हें स्पष्ट निर्देशित करें कि पुल पुलिया जलमग्न होने के दौरान बस निकलाने का प्रयास न करें। इस निर्देश का सख्ती से पालन किया जाए। वर्षा संबंधी जानकारी देने के लिए सोशल मीडिया का भी प्रभावी उपयोग किया जाए।

सभी जिलों के बाढ़ आपदा प्रबंधन संबंधी अधिकारी अपस्ट्रीम में होने वाली वर्षा और उसके प्रभाव की सतत मॉनिटरिंग करें और नियमित इसकी जानकारी जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक के साथ साझा की जाएं। राजस्व विभाग के नियमानुसार नगरीय क्षेत्रों में लो लाइन एरिया में निर्मित अनाधिकृत बस्तियों को वैकल्पिक स्थान पर शिफ्ट कर समस्या का स्थाई समाधान किया जाए। बाढ़ आपदा प्रबंधन में स्थानीय लोगों की सक्रीय सहभागिता की जाए। सुरक्षा उपकरणों का बेहतर रखरखाव और मेंटेनेंस किया जाए। जल संसाधन विभाग के अधिकारी नदियों और गेट संचालित परियोजनाओं में वाटर लेवल की सतत मॉनिटरिंग करें। वर्षा के दौरान आरबीसी 6 (4) के प्रकरणों का त्वरित निराकरण किया जाए। संभागायुक्त श्री गुप्ता ने निर्देश दिए कि एमपीईबी द्वारा वर्षा के दौरान विशेषकर राहत पुनर्वास केंद्रों पर बिजली की निर्बाध रूप से आपूर्ति सुनिश्चित कराएं। ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में ट्रांसफार्मर की अतिरिक्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए ताकि ट्रांसफार्मर खराब होने की सूचना पर तत्काल उन्हें बदले जा सकें। स्नान पर्वों के दौरान विशेष सतर्कता बरती जाए। इस दौरान बांधो से रेगुलेट कर पानी छोड़ा जाएं। मार्गो पर गोवंश होने के कारण पर सड़क दुर्घटना की स्थिति ना बने। निराश्रित गोवंश को गौशालाओं में शिफ्ट किया जाए। साथ ही गोवंश के पालकों के विरुद्ध जुर्माने की कार्यवाही करें। संभागायुक्त श्री गुप्ता ने निर्देश दिए की देवास कलेक्टर तवा और बरगी बांध से छोड़े जाने वाले पानी की सतत मॉनिटरिंग करें। साथ ही नर्मदा विकास प्राधिकरण के अधिकारियों से भी सतत संपर्क में रहें। इसी प्रकार नीमच जिले में रामपुर स्थित बंड पर विशेष निगरानी रखी जाएं।बाढ़ आपदा नियंत्रण के लिए मंदसौर जिला द्वारा विशेष सतर्कता बरती जाए।

पुलिस महानिरीक्षक उज्जैन श्री संतोष कुमार सिंह ने निर्देशित किया कि बाढ़ आपदा प्रबंधन तथा राहत एवं बचाव कार्य के लिए पुलिस विभाग का बल त्वरित रेस्पॉन्स करें। सभी जिलों में कंट्रोल रूम का प्रभावी ढंग से संचालन किया जाए। सभी गेट संचालित परियोजनाओं में वाटर डिस्चार्ज की जानकारी समय पर कंट्रोल रूम से साझा की जाएं। जलमग्न होने वाली सभी पुल पुलियों पर आवश्यक चेतावनी सूचक बोर्ड लगाए जाए। साथ ही वहां सुरक्षा के भी आवश्यक उपाय किए जाए।एसडीईआरएफ/होमगार्ड का बल संबंधित विभागों के साथ मॉकड्रिल कर लें। संभाग के सभी जिले जहां जहां बांध आदि जल संरचनाओं का निर्माण प्रगतिरत है वहां विजिट कर देखें। किसी प्रकार की दुर्घटना की स्थित न बने। बैठक में सभी जिलों के जिला कलेक्टर, जल संसाधन विभाग और लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण यंत्री द्वारा बाढ़ आपदा नियंत्रण के लिए की गई तैयारियों की विस्तार से जानकारी दी गई। बैठक में उप पुलिस महानिरीक्षक श्री नवनीत भसीन, उज्जैन कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप शर्मा , उपायुक्त उज्जैन सहित संबंधित विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहें। संभाग में अन्य जिलों के कलेक्टर,एसपी व अन्य अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक में शामिल हुए।

जम्मू-कश्मीर के बारामूला में एनकाउंटर, दो आतंकियों को सुरक्षा बलों ने मार गिराया

श्रीनगर, 19 जून। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में बुधवार 19 जून को आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच एनकाउंटर जारी है। यहां के हादीपोरा इलाके में दो आतंकी मारे गए हैं, जबकि स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप का एक जवान और एक पुलिसकर्मी घायल हुए हैं।

हादीपोरा में पुलिस और सेना की जॉइंट टीम ने आतंकियों को ढूंढने के लिए एक सर्च ऑपरेशन जारी किया था। जैसे ही सुरक्षाबल आतंकियों की छिपने की संदिग्ध जगह तक पहुंचे, आतंकियों ने उन पर फायरिंग शुरू कर दी। इससे पहले सोमवार (17 जून) की सुबह बांदीपोरा में सुरक्षाबलों ने आतंकी डशढ कमांडर उमर अकबर लोन उर्फ जाफर को मार गिराया। वो पट्टन का रहने वाला था। इलाके में 2 से 3 आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। उनकी तलाश के लिए सेना का ऑपरेशन जारी है। अरागाम के जंगलों में रविवार (16 जून) को फायरिंग की आवाज सुनाई दी। इसके बाद सेना और पुलिस ने सर्चिंग की। सोमवार सुबह तलाशी तेज की गई तो आतंकवादियों ने गोलीबारी की थी। ड्रोन फुटेज में मारे गए आतंकी जाफर का शव जंगल में पड़ा नजर आया था।

रियासी हमले की जांच एनआईए को सौंपी गई–9 जून को रियासी में तीर्थयात्रियों की बस पर हुए आतंकी हमले की जांच एनआईए को सौंप दी गई है। गृह मंत्रालय के आदेश के बाद इस केस में नई एफआईआर दर्ज की गई है। 16 जून को ही गृह मंत्री ने जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मीटिंग की। जिसमें उन्होंने निर्देश दिया था कि आतंकवाद को कुचलें और आतंकियों की मदद करने वालों पर भी सख्ती बरतें।

शिक्षक पालक संघ बैठक सम्पन्न

पिपलियामंडी, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। शासकीय कन्या उमावि पिपलिया में शिक्षक पालक संघ की बैठक प्राचार्य उमाशंकर पाण्डे की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए विभिन्न गतिविधियों व प्रस्तावों पर विचार-विमर्श कर अनुमोदन लिया। पालकों ने भी विचार रखे। विगत् वर्ष 2023-24 के परीक्षा परिणाम पर घनश्याम पाटीदार ने प्रकाश डाला। अध्यापक मोहन परमार, पीटीए अध्यक्ष दिनेश गवरिया ने विद्यालयीन गतिविधियों की जानकारी दी।

ग्राम पंचायतें लेबर नियोजन और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के कार्य बढ़ाना सुनिश्चित करें

गुरुप्रसाद ने नीमच में पंचायत एवं ग्रामीण विकास योजनाओ की समीक्षा की

नीमच, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। जिलापंचायत सीईओ सीईओ श्री गुरु प्रसाद ने जनपद सभाकक्ष नीमच में जनपद क्षेत्र नीमच के सरपंचों पंचायत सचिवों रोजगार सहायकों की बैठक में विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की . बैठक में जिला पंचायत सीईओ ने मनरेगा अंतर्गत लेबर नियोजन , अपूर्ण कार्य , आंगनवाड़ी भवन निर्माण , खेत तालाब, कपिलधारा कुप के गत वर्षो के कार्य , आवास पूर्णता ,आवास के हितग्राहियों को मनरेगा अंतर्गत लेबर नियोजन , व्यक्तिगत शौचालय की जिओ टेकिंग , सामुदायिक स्वच्छता परिसरों की पूर्णता एवं 15वां वित अंतर्गत ग्राम पंचायत के पास उपलब्ध टाइड फंड के उपयोग की समीक्षा की गई। ग्राम पंचायतों को आगामी समय में लिए जाने वाले कार्यों के बारे में विस्तृत रूप से अवगत कराया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने लेबर नियोजन में लक्ष्य के विरुद्ध अत्यंत कम प्रगति वाले ग्राम पंचायत सचिव एवं रोजगार सहायक से एक-एक कर उनकी ग्राम पंचायत में प्रचलित कार्य एवं छ्छ्व अंतर्गत आगामी समय में लिए जाने वाले कार्य और वृक्षारोपण के संबंध में विस्तृत चर्चा की । इस अवसर पर लेबर नियोजन में अच्छा कार्य करने वाले ग्राम पंचायत के सचिवों द्वारा उनके द्वारा संपादित कार्य और अनुभव को भी साझा किया । मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा सभी कम प्रगति वाले सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक को 15 दिवस का समय दिया गया कि वह अपने लेबर नियोजन एवं कार्य की प्रगति बढ़ाएं अन्यथा सचिव की दो वेतन वृद्धि रोकने की कार्रवाई और ऋढ़ड पर संविदा सेवा शर्त अनुसार कार्रवाई होगी । अच्छा कार्य करने वाले ग्राम रोजगार सहायक और सचिव कोआगामी 1 तारीख को एम्पलाई ऑफ द मंथ से भी सम्मानित किया जाएगा ।समीक्षा बैठक में सभी उप यंत्री ,जिला पंचायत के परियोजना अधिकारी और जनपद पंचायत नीमच के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री राजेंद्र पालनपुर उपस्थित थे।

परिश्रमी व शिक्षित छात्र ही अपने जीवन में अच्छा मुकाम प्राप्त करता है -जैन

मंदसौर, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। शिक्षित व लक्षित छात्र छात्राए अपने परिवार, नगर व देश का नाम रोशन करता है छात्र को अपने जीवन मे कडे परिश्रम के साथ नियमित पढाई करनी चाहिए। छात्र /छात्राओ को हमेशा अपने गुरू माता पिता का सम्मान करना चाहिए। उक्त विचार मंदसौर विधायक विपिन जैन ने शहर के नूतन हाई स्कूल मे स्कूल चलो अभियान के तहत नवीन प्रवेशार्थी छात्र/छात्राओ का प्रवेशोत्सव के समय रखे। इस अवसर पर श्री जैन ने छात्रो को तिलक लगाकर माला पहनाकर स्वागत कर पुस्तके वितरित की। विघालय मे श्री जैन ने कम्प्यूटर लेब का उदघाटन किया। वही श्री जैन ने घोषणा करी कि जिन छात्र छात्राओ ने गत वर्ष दसवी बोर्ड की परीक्षा मे अच्छे अंक प्राप्त किए उनको भोपाल विधान सभा भवन का भ्रमण विधान सभा सत्र के दौरान कराया जाएगा। इस प्रवेशोत्सव कार्यक्रम मे बडी संख्या मे छात्र/छात्राए अभिभावक व गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। इस गरिमामयी प्रवेशोत्सव के कार्यक्रम का संचालन शिक्षक सी.एस चौहान ने किया।

जिला प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित हुआ विधिक जागरूकता शिविर

मंदसौर, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार तथा माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मंदसौर श्रीमान कपिल कुमार मेहता साहब के मार्गदर्शन में श्री सिद्धार्थ तिवारी, जिला न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मंदसौर के दिशा निर्देशन में दिनांक 19 जून 2024 को जिला प्रशिक्षण केंद्र मंदसौर में प्रशिक्षु नर्सेज के मध्य विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर को संबोधित करते हुए जिला न्यायाधीश/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर सिद्धार्थ तिवारी ने नर्सिंग का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही बालिकाओं को उनके जुड़े महत्वपूर्ण कानूनी प्रावधानों के संबंध में जागरूक किया। उन्होंने लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, किशोर न्याय अधिनियम, पीसीपीएनडीटी एक्ट, घरेलू हिंसा अधिनियम आदि विधिक विषयों पर जागरूक किया ।उन्होंने सभी विद्यार्थियों को अपने चिकित्सकीय कार्य पूर्ण निष्ठाभाव से करने हेतु भी प्रेरित किया । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड श्रीमती रोहिणी तिवारी ने नर्सिंग कर्मियों के द्वारा समाज को दिए जा रहे योगदान के प्रति अपनी कृतज्ञता एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। शिविर उपरांत जिला प्रशिक्षण केंद्र के परिसर में माननीय मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार चलाए जा रहे वृहद वृक्षारोपण अभियान अंतर्गत विभिन्न किस्म के पौधे रोपित किए गए। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ श्री जी एस चौहान , डॉ एसजी सूर्यवंशी, जिला प्रशिक्षण केंद्र प्रभारी श्री एमएल कश्यप , पैरा लीगल वालंटियर श्रीमती सीमा नागर एवं संजय नीमा उपस्थित रहे।

जिला पंचायत साधारण सभा की बैठक 25 को

मंदसौर, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मंदसौर द्वारा बताया गया जिला पंचायत साधारण सभा की बैठक का आयोजन किया गया है। बैठक जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार की अध्यक्षता में 25 जून को दोपहर 1.30 बजे जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी।

नीट परीक्षा में हुई धांधली के खिलाफ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कल देशव्यापी आंदोलन करेगी

मंदसौर में जिला कांग्रेस की अगुवाई में राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया जाएगा

मंदसौर, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। नीट परीक्षा में हुई धांधली के खिलाफ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के आह्वान पर 21 जून, 2024 को देशव्यापी आंदोलन किया जा रहा है। इसी कड़ी में मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू जी पटवारी के निर्देशानुसार मंदसौर जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं विधायक श्री विपिन जी जैन के नेतृत्व में 21 जून 2024 शुक्रवार को प्रात: 10.30 बजे गांधी चौराहा मन्दसौर पर प्रदर्शन कर महामहीम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया जाएगा।

यह जानकारी देते हुए शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मन्दसौर अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर ने बताया कि देश के भविष्य को सुरक्षित रखने की लड़ाई, हम सबकी लड़ाई है। हम कांग्रेस के नेतृत्व में हर कीमत पर छात्रों को न्याय दिलाकर रहेंगे। शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मन्दसौर अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर ने सभी वरिष्ठ नेताओं,पूर्व सांसद,पूर्व विधायकगण, विधानसभा प्रत्याशीगण,जिला कांग्रेस के पदाधिकारीगण,सभी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्षगण, पदाधिकारीगण, मंडलम/सेक्टर अध्यक्षगण, मोर्चा संगठन, विभाग, प्रकोष्ठ के पदाधिकारीगण, जिला पंचायत,जनपद पंचायत सदस्यगण,नगर पालिका,नगर पंचायत पार्षदगण,पूर्व पार्षदगण,बूथ कमेटियों के सभी पदाधिकारीगण कांग्रेस के सभी कार्यकर्तागण से अपील की है कि ज्ञापन में अधिक से अधिक संख्या में गांधी चौराहा मन्दसौर समय पर उपस्थित रहे।

नगर में जारी सड़क निर्माण, वार्ड 15 में सीसी निर्माण कार्य का शुभारंभ

पिपलियामंडी, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। नगर में सड़क निर्माण कार्य जारी है। इसी क्रम में बुधवार को वार्ड 15 अग्रवाल मोहल्ले में सीसी निर्माण कार्य का शुभारंभ हुआ, जिससे रहवासियों में हर्ष है। नगर परिषद् अध्यक्ष इंदिरा सुनील देवरिया ने बताया उक्त सड़क डामरीकरण सड़क 18 वर्ष पूर्व बनाई गई थी, रहवासियों की मांग पर यहां सीसी निर्माण कराया है। क्षेत्र के विधायक व प्रदेश के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा स्वीकृत कराई गई राशि से नगर में निरंतर विकास कार्य हो रहा है। इस अवसर पर उपाध्यक्ष भारतसिंह सोगनरा, पार्षदगण संगीता संजय धनोतिया, विष्णुबाला कन्हैयालाल कराड़ा, संतोष गोर्धननाथ योगी, नप अध्यक्ष प्रतिनिधि सुनील देवरिया, मुकेश गुप्ता, दिलीप गोयल, सीएमओ प्रवीण सेन, उपयंत्री राजेश उपाध्याय, महावीर जैन, सुनील साहू आदि मौजूद रहे।

प्रदेश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से...

पेज 1 से जारी

क्षेत्रों में पूंजीगत व्यय बढ़ाने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि राज्य की जीडीपी बढ़ाने वाले सभी क्षेत्रों में निवेश को आगे ले जाने की आवश्यकता है। सुश्री कान्ता सिंह डिप्टी काउंट्री रिप्रेजेन्टेटिव यूएन वूमेन इंडिया ने कहा कि मध्यप्रदेश ने जेंडर बजट के लिये बहुत बढ़िया कार्य किया है। महिलाओं की सेफ्टी और केयर वेल्डिंग इकॉनॉमिक्स पर ज्यादा राशि देनी चाहिए। सुश्री ह्यून ही बेन चीफ सोशल पॉलिसी यूनिसेफ इंडिया ने मध्यप्रदेश सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि महिलाओं के विकास के लिये मध्यप्रदेश ने बहुत अच्छा काम किया है। बच्चों के विकास के लिये बजट और देना चाहिए। क्लायमेट चेंज पर भी ध्यान देना होगा। स्कूलों में हेल्थ के लिये बजट बढ़ाया जाना चाहिए। प्रो. श्री सिद्धार्थ चतुर्वेदी एक्स चेयरमेन सीआईआई ने कहा कि उद्योग के लिये स्टाम्प ड्यूटी पर सब्सिडी पर सरकार को विचार करना चाहिए। सर्विस सेक्टर, टेक्सटाइल में टेक्नॉलॉजी डेवेलपमेंट इंन्फ्रास्ट्रकचर में रोजवेज, लॉजिस्टिक, एयरपोर्ट का विकास, ड्रोन सेवाओं, सोलर एनर्जी, डिफेंस, ईव्ही पर अतिरिक्त राशि की व्यवस्था होना चाहिए। इसके साथ महिलाओं के लिये स्टार्ट-अप, हेल्थ क्षेत्र में महिलाओं और बच्चों के लिये अलग से व्यवस्था करना, शिक्षा के क्षेत्र में रिसर्च, स्किल आईटी से जोड़ने पर विचार होना चाहिए।

जलवायु परिवर्तन पर फोकस–प्रो. श्री योगेश दुबे भारतीय वन प्रबंधन संस्थान भोपाल ने वनों एवं जल के लिये अलग से वातावरण के हिसाब से बजट बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। वाइल्ड लाइफ एवं पर्यावरण और क्लायमेट चेंज को ध्यान में रखा जाना चाहिए। ट्रायबल वेलफेयर एवं वाटर मेनेजमेंट, नदियों को स्वच्छ बनाना, मध्यप्रदेश टूरिज्म, विलेज टूरिज्म पर ध्यान देने के साथ फॉरेस्ट फायर होने के बाद उस जगह पर प्लांटेशन करवाना की आवश्यकता पर जोर दिया। श्री के.व्ही. प्रताप सीनियर इकोनॉमिक एडवाइजर गृह मंत्रालय भारत सरकार ने सुझाव दिया कि अधोसंरचना के विभिन्न क्षेत्रों में निवेश के लिए बजट की अतिरिक्त व्यवस्था करनी चाहिए। संचालक वित्त श्री बक्की कार्तिकेएन ने आभार प्रदर्शन में कहा कि विषय-विशेषज्ञों ने जो सुझाव दिये उस पर विचार किया जाएगा।

निजी विद्यालयों की जांच हेतु विकासखंडवार समिति का गठन

मंदसौर, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। म.प्र. शासन स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव द्वारा बताया गया कि निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) अधिनियम 2018 एवं नियम 2020 के प्रावधानों के उल्लंघन एवं अनियमितताओं की जांच हेतु विशेष अभियान चलाया जाकर जांच करने के निर्देश प्राप्त हुए है। जिसके लिए निजी विद्यालयों को जांच हेतु विकासखंडवार समिति का गठन किया गया है। समिति में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) दल प्रमुख, तहसीलदार सदस्य, विकासखंड शिक्षा अधिकारी सदस्य, विकासखंड स्त्रोत केंद्र समन्वयक सदस्य, संबंधित नगरीय निकाय के सीएमओं नगर पालिका (नगरीय क्षेत्र हेतु) सदस्य एवं सीईओं जनपद पंचायत (संबंधित ग्रामीण क्षेत्र हेतु) सदस्य है।

गठित दल अपने क्षेत्र के निजी विद्यालयों के प्रबंधक /प्राचार्य से सम्पर्क करें एवं म.प्र. राजपत्र में प्रकाशित म.प्र. निजी विद्यायल (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) अधिनियम 2017 का पालन शाला द्वारा किया जा रहा है अथवा नहीं इसकी जांच करेंगे। विद्यालयों द्वारा फर्जी व डुप्लीकेट आईएसबीएन पाठ्य पुस्तकों को पाठ्यक्रम में शामिल किया जा रहा है, इसके संबंध में बच्चों, पालको से सम्पर्क करने के उपरांत शाला प्रबंधक द्वारा पाठ्य पुस्तकों का निर्धारण ऐसे संबद्धता बोर्ड अथवा परीक्षा निकाय के विनिमयों के अनुसार विनिश्चित किया गया है, जिससे की वह संबद्ध है कि जांच भी की जाना है। आवश्यक होने पर क्षेत्र के पाठ्य पुस्तक विक्रेताओं के संस्थान पर भी जांच की जावें कि शाला की विक्रय की जा रहीं पुस्तकें फर्जी अथवा डुप्लीकेट आईएसबीएन की न हो। प्रत्येक शाला की पृथक-पृथक प्रतिवेदन संबंधित विकासखंड शिक्षा अधिकारी के माध्यम से कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी को भेजा जावें। जांच प्रतिवेदन में शाला द्वारा एवं पुस्तक विक्रेताओं द्वारा की गई अनियमितताओं का स्पष्ट उल्लेख किया जावें।

कलेक्टर यादव ने एक आदतन अपराधी को किया जिलाबदर

मंदसौर, 19 जून गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री दिलीप कुमार यादव द्वारा राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5(क)(ख) के तहत एक आदतन अपराधी दिलीप उर्फ दिनेश पिता लालसिंह बावरी निवासी रूपी थाना मल्हारगढ़ जिला मंदसौर जिलाबदर करने का आदेश जारी किया है। कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव ने आदेशित किया है, कि ये जिला बदर अवधि में मंदसौर जिले की राजस्व सीमा के साथ ही नीमच, रतलाम, उज्जैन, आगर मालवा एवं शाजापुर जिले की राजस्व सीमा में बगैर अनुमति के प्रवेश नहीं कर सकेगें।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मंदसौर म.प्र.

E-Mail-modgmman@mp.gov.in

क्रमांक/780/खनिज/2024 मंदसौर, दिनांक-18.06.2024

//// सूचना ////

(म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18-क)

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री राधेश्याम गुप्ता पिता बालचंद गुप्ता निवासी बाबुल्दा, तहसील भानपुरा, जिला मंदसौर द्वारा म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 18-क के तहत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु आनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 15.05.2024 को प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत आवेदन पत्र का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है-

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नं.	रकबा	भूमि का प्रकार निजी/अन्य भूमि स्वामी की सहमति प्राप्त	खनिज का नाम	रिमार्क
मंदसौर	भानपुरा	कुकड़ेश्वरा	765	1.000 है.	निजी	गिट्टी पत्थर, एम. सेण्ड एवं मुरम (क्रेशर आधारित)	---

उपरोक्त प्रस्तुत आनलाईन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो अथवा इस संबंध में कोई अन्य दावा प्रस्तुत करना चाहता हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 30 दिवस के भीतर कार्यालय कलेक्टर, खनिज शाखा, जिला मंदसौर में आपत्ति का लेख/कारण दर्शाते हुए लिखित रुप से प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि के उपरांत प्रस्तुत किसी भी आपत्ति/दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

प्रभारी अधिकारी
खनिज शाखा, जिला मंदसौर म.प्र.

G-12044/24 दुर्घटना से रखनी दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।

इंदौर के मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर त्वचा रोग विशेष एवं डर्मेटोलेजर सर्जन

डॉ. परीक्षित शर्मा

एम.डी. (स्कीन)

शनिवार दिनांक 22 जून को शाम 5 से रात 8 और रविवार 23 जून को सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक उपलब्ध रहेंगे।

सुविधाएं-✼ चेहरे के कील-मुहासे, चोट व चेहरे के निशान, ऑखों के नीचे कालापन, चेहरे व हाथों का कालापन, ✼ एक्जीमा, सोरियासिस, सफेद दाग का इलाज व सर्जरी, ✼ शरीर पर तिल व मस्सों (Warts) को मशीन द्वारा हटाना, ✼ गर्भावस्था में होने वाले स्ट्रेचमार्क्स की चिकित्सा, ✼ असमय झड़ते बालों का आधुनिक पद्धति से ईलाज, ✼ शरी पर टेटू (गोदना) को मशीन द्वारा हटाना, ✼ लेजर मशीन द्वारा अनचाहे बालों से छुटकारा, ✼ बच्चों व बुजुर्गो की त्वचा संबंधित समस्याएं, ✼ नाखुन में होने वाले रोगों का उपचार, ✼ सौन्दर्य परामर्श (Cosmetic Consultation)

करजूवाला कम्पाउण्ड, पमनानी हॉस्पिटल के पीछे, स्टेशन रोड़, मंदसौर सम्पर्क-9424813088

कार्यालय सम्पदा अधिकारी

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल रतलाम

नामान्तरण -सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी रामटेकरी मंदसौर स्थित सोसाइटी भूखंड क्रमांक 69 श्री मधुसुदन आर्य पिता श्री झमललाल आर्य को मण्डल द्वारा आवंटित किया गया था। भूखंड का पट्ठाभिलेख उप पंजीयक कार्यालय में दिनांक 05.05.1976 को पंजीबद्ध करवाया गया था। श्री मधुसुदन आर्य पिता श्री झमललाल आर्य द्वारा उक्त भूखंड का विक्रय श्री रामगोपाल कुमावत पिता श्री कस्तूरचंद कुमावत को विक्रय पत्र दिनांक 11.10.1983 एवं दिनांक 11 11.1983 को पंजीयन निष्पादित करवाया गया था। दोनों विक्रय पत्र एक ही व्यक्ति को निष्पादित किया था। उक्त विक्रय पत्र एवं प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर श्री रामगोपाल कुमावत पिता श्री कस्तूरचंद कुमावत उक्त भूखण्ड का नामांतरण अपने नाम से करवाना चाहते है।

अत: इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य / वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे समयावधि व्यतीत हो जाने पर सोसाइटी भूखंड क्रमांक 69 रामटेकरी मंदसौर का नामान्तरण श्री रामगोपाल कुमावत पिता श्री कस्तूरचंद कुमावत के नाम से कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नही होगा।

सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल संभाग-रतलाम (मप्र)

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है।
फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in